mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-187 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
07 जुलाई 2024 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पहले मैच में हार...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हाथरस भगदड़ कांड से ओडिशा पुलिस ने सीखा सबक

जगन्नाथ यात्रा में भीड़ मैनेंजमेंट के लिए बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले सप्ताह मंगलवार को यूपी के हाथरस में एक सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसकी चपेट में आने के चलते 122 लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद से

ही भीड़ को मैनेजमेंट को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच पुरी में भगवान जगन्नाथ की यात्रा निकाली जानी है, जिसमें 1 2 या तीन नहीं बल्कि 10 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। भीड़ मैनेजमेंट को लेकर पुलिस एआई का सहारा लेगी।

कनाडा सरकार ने भारतीय कामगारों के लिए खोले दरवाजे

एक्सप्रेस एंट्री ड्रॉ का किया ऐलान वीजा संबंधी नियमों में भी बदलाव

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में काम करने के लिए जाने की अच्छा रखने वाले भारतीयों की बड़ी संख्या है। ऐसी इच्छा रखने वालों को कनाडा सरकार मौका दे रही है। कनाडा

इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ट्रेड प्रोफेशन में कुशल भारतीय कामगारों के लिए अपने दरवाजे खोल रहा है। आईआरसीसी ने हाल ही में ट्रेड प्रोफेशन में कुशल कामगारों को लक्षित करते हुए एक विशेष एक्सप्रेस एंट्री ड्रॉ आयोजित किया। दिसंबर 2023 के बाद यह पहला ऐसा ड्रॉ है।

- केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पत्नी का बड़ा खुलासा

एनडीए के सांसद एमएसआर का लिया नाम, कहा-उन्होंने झूठा बयान दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले पर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

गहरी राजनीतिक साजिश का शिकार हुए, गवाह के झूठे बयान पर ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि क्या आपको पता है कि सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार क्यों किया है। उनकी गिरफ्तारी एनडीए के एक सांसद के बयान पर गिरफ्तार किया है। उनका नाम है मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी यानी एमएसआर। एमएसआर आंध्र प्रदेश से एनडीए के सांसद हैं। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि एनडीए के सांसद मंगुटा रेड्डी ने ईडी को जो पहले दो बार बयान दिए, वह ईडी को पसंद नहीं आए।

23 जुलाई को पेश होगा मोदी 3.0 का पहला बजट

मिडिल क्लास को बड़े तोहफे की उम्मीद,मिलेगी गुड न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली नई सरकार में पहला आम बजट 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। इस दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में बजट करेंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने भारत सरकार की सिफारिश पर 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक बजट सत्र को आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। आगामी 23 जुलाई 2024 को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया जाएगा। बता दें कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं और उनके इस कार्यकाल में वित्त मंत्रालय का कार्यभार एक बार फिर निर्मला सीतारमण को सौंपा गया है। यह छठी बार होगा जब निर्मला सीतारमण आम बजट पेश करेंगी। देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने अब एक अंतरिम बजट सहित छह बजट पेश किए हैं और यह लगातार 7वां बजट होगा।

टैक्सपेयर्स के लिए इंटरेस्ट इनकम छूट की बढ़ सकती है सीमा

इस बजट में टैक्सपेयर्स को गुड न्यूज मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार बचत खातों यानी सेविंग्स अकाउंट्स से अर्जित ब्याज पर टैक्स छूट की राशि को बढ़ाकर 25,000 करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। पिछले हफ्ते फाइनेंस मिनिस्ट्री के प्रमुख अधिकारियों के साथ हुई बैठक में बैंकों ने इस संबंध में सुझाव दिया था। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि इसकी समीक्षा की जा रही है और बैंकों को कुछ राहत मिल सकती है, जिन्होंने जमा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन की मांग की है।

प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय बजट घोषणा के करीब आने पर लिया जाएगा। साल 2020 के बजट में एक अलग इनकम टैक्स रिजीम शुरू किया गया था। यह रिजीम सरल है लेकिन इसमें टैक्सपेयर्स के लिए सभी तरह की छूट बंद कर दी गई थी। पुरानी कर व्यवस्था के तहत, बचत खातों से सालाना 10,000 तक का ब्याज धारा 80ए के तहत कर मुक्त है।

तमिलनाडु बसपा प्रदेश अध्यक्ष की घर के बाहर हत्या

- 6 बाइक सवारों ने चाकू-तलवारें मारीं

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार की शाम उनके घर के बाहर छह हमलावरों ने हत्या का दी। पुलिस के अनुसार, 52 साल के आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे चेन्नई स्थित सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग आए और उन पर चाकू-तलवारों से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए। आर्मस्ट्रॉन्ग गंभीर रूप से घायल हुए थे। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

गुजरात में नरेन्द्र मोदी और बीजेपी को हराएगी कांग्रेस

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात के दौरे पर हैं और शनिवार को उन्होंने बीजेपी को गुजरात विधानसभा चुनाव के लिहाज से बड़ा चैलेंज दिया है। राहुल गांधी ने कहा है कि अगले विधासनभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी बीजेपी को गुजरात में हराएगी और कांग्रेस पार्टी बीजेपी द्वारा दिया गया यह चैलेंज स्वीकार करती है। दरअसल, लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गुजरात दौरे पर हैं और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आपने बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवामी को रथयात्रा में रथ पर देखा था। मोदी ने मदद की थी, ये कहा जाता है। मैं संसद में सोच रहा था कि राम मंदिर के कार्यक्रम अडानी और अंबानी दिखे, लेकिन गरीब नहीं दिखे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको अंदर की बात बताता हूं कि अयोध्या के एमपी ने मुझे कहा कि अयोध्या में तीन सर्वे हुए थे और मोदी अयोध्या से लड़ना चाहते थे लेकिन उन्हें कहा गया था कि अयोध्या लड़े तो हारेंगे। राहुल ने कहा कि अयोध्या में मंदिर बनाने के लिए हमारी जमीन ली गई।

अभी जेल में ही रहेंगे सिसोदिया कोर्ट से फिर लगा बड़ा झटका

5 अप्रैल को एएपी नेता ने तिहाड़ से लिखा था-जल्द बाहर आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सीबीआई के मामले में बढ़ाई गई है। आज यानी 6 जुलाई को सिसोदिया की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया था। जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने एएपी नेता की न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ा दी। सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद सिसोदिया पिछले साल 26 फरवरी से हिरासत में हैं। इसके बाद ईडी ने उन्हें अरेस्ट कर लिया था। इससे पहले बुधवार को दिल्ली की एक कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के. कविता की ज्यूडिशियल कस्टडी 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इसी के साथ कोर्ट ने ईडी को आरोपी व्यक्तियों को दो दिनों के भीतर चार्जशीट और दस्तावेजों की कापियां उपलब्ध कराने को कहा।

घाटी के कुलगाम में सुरक्षाबलों-आतंकियों के बीच मुठभेड़

- एक जवान शहीद,2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की खबर

कुलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के मुदरघम में आतंकियों से मुठभेड़ में घायल हुआ सेना का जवान शहीद हो गया है। शनिवार की दोपहर से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। आतंकियों को गोली से घायल हुए जवान को अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। वहीं, सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। इस ज्वाइंट ऑपरेशन को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान अंजाम दे रहे हैं। 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने खबर सामने आ रही है। डोडा जिले के गंडोह इलाके में 26 जून को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया था। 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना है।

मुख्य आरोपी मधुकर को हाथरस लेकर पहुंची पुलिस

एसपी बोले-

- राजनीतिक दलों ने मधुकर से संपर्क किया था, पार्टियों की फंडिंग की जांच होगी

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस कांड के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को पुलिस शनिवार को दिल्ली से हाथरस लेकर पहुंची। यहां जिला अस्पताल में उसका मेडिकल कराया गया। बाहर निकला तो उसका मुंह बंधा था। मीडिया कर्मियों ने उससे पूछा कि इस घटना का जिम्मेदार कौन है। सरेंडर किया या अरेस्ट किया गया। इस पर पुलिसवाले उसे दौड़ाते हुए जीप पर बैठाकर ले गए। अब उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। शुक्रवार रात में देव प्रकाश को दिल्ली के नजफगढ़ से गिरफ्तार किया था। एसपी निपुण अग्रवाल ने कहा-मधुकर से राजनीतिक दलों ने संपर्क किया था। अब जांच होगी कि पार्टियों ने

फंडिंग तो नहीं की थी। हाथरस हादसे के बाद शनिवार सुबह पहली बार भोले बाबा सामने आया। न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा- हम 2 जुलाई की भगदड़ की घटना से बहुत दुखी हैं।

कुरान पढ़ाने वाले पजशकियान बने ईरान के नए राष्ट्रपति

इराक से जंग लड़ी

हिजाब का विरोध किया, कट्टरपंथी जलीली को 30 लाख वोट से हराया

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में मसूद पजशकियान देश के 9वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को 30 लाख वोटों से हराया। ईरान में शुक्रवार को दूसरे चरण की वोटिंग हुई थी। इसमें करीब 3 करोड़ लोगों ने मतदान किया था। ईरानी स्टेट मीडिया के मुताबिक, पजशकियान को 1 करोड़ 64 लाख वोट मिले, जबकि जलीली को 1 करोड़ 36 लाख वोट हासिल हुए। पजशकियान डॉक्टर होने के साथ-साथ कुरान भी पढ़ाते हैं। 5 जुलाई को 16 घंटे तक चली वोटिंग में देश की करीब 50 फीसदी (3 करोड़ से ज्यादा) जनता ने वोट डाला था।

पुतिन के लिए संजीवनी बनेंगे पीएम मोदी, यात्रा कल से

दुनिया में अलग-थलग पड़े रूसी राष्ट्रपति कर रहे बेसब्री से इंतजार

मॉस्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द 8 और 9 जुलाई के रूस के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल ये पहला द्विपक्षीय दौरा है, जहां वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही साल 2002 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से भी यह पीएम मोदी का पहला दौरा होगा। दोनों देश साल 2000 से वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करते रहे हैं, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद से यह स्थगित रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पीएम मोदी ने इसे अब क्यों शुरू किया है और तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय यात्रा के लिए मॉस्को को चुनने की वजह क्या है। जब दुनिया के अधिकांश देशों ने पुतिन से दूरी बनाए रखी है, ऐसे में पीएम मोदी का मॉस्को जाना रूसी नेता पुतिन के लिए बहुत मायने रखता है। भारत और रूस की दोस्ती दशकों पुरानी है। इतिहास में जरूरत के समय रूस हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा।

पुतिन के लिए बेहद ही खास है मोदी की यात्रा

पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा पुतिन के लिए एक बड़ा मोड़ साबित होने जा रही है। यह उन्हें नई वैधता देगी और उनका दुनिया में अलगाव कम होगा। पीएम मोदी की इस यात्रा से दूसरे नेताओं, खासकर ग्लोबल साउथ के नेताओं के लिए ऐसा करने का रास्ता खुल सकता है। पुतिन के लिए यह एक सुखद बदलाव की तरह होगा, जिन्हें बहिष्कृत करने के लिए अमेरिका ने हर संभव प्रयास किया है। इस यात्रा में एक परिदृश्य की कल्पना की जा रही है कि संभव है पीएम मोदी और पुतिन यूक्रेन मुद्दे पर बात करें।

पहले टी-20 मैच में जिम्बाब्वे ने भारत को 13 रनों से हराया, गिल-सुंदर के अलावा नहीं चला कोई बल्लेबाज

हरारे (एजेंसी)। शनिवार को भारत और जिम्बाब्वे के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत हुई। पहला मुकाबला शाम 4.30 बजे से हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया था। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

जिम्बाब्वे ने भारत के सामने 116 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम 19.5 ओवर में 10 विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जिम्बाब्वे ने भारत को पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में 13 रनों से हरा दिया। इस मैच में शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज नहीं चला।

इस सीरीज का पहला मैच खेला गया जिसमें भारत को हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

भारी बारिश के चलते रोकी गई अमरनाथ यात्रा

अस्थायी रूप से लगाया ब्रेक,प्रशासन ने लिया फैसला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण शनिवार को अमरनाथ तीर्थयात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के दोनों बेस कैंप से चलने वाली यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्तरी कश्मीर के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से यात्रियों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोक दी गई है। बालटाल बेस कैंप से यात्रियों को गुफा मंदिर तक पैदल या टट्टुओं पर 14 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना पड़ता है, जबकि पारंपरिक नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से जाने वालों को 48 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जिसमें चार दिन एक तरफ से लगते हैं। पहलगाम-गुफा मंदिर मार्ग में पहलगाम से चंदनवारी (24 किलोमीटर), चंदनवारी से शेषनाग (13 किलोमीटर), शेषनाग से पंचतरणी (5 किलोमीटर) और पंचतरणी से गुफा मंदिर (6 किलोमीटर) शामिल हैं। 14 किलोमीटर लंबे बालटाल बेस कैंप मार्ग से जाने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर 'दर्शन' के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। अमरनाथ गुफा मंदिर में शुक्रवार को 20 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व भारतीय क्रिक्रेटर संदीप पाटिल पहुंचे भोपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संदीप पाटिल शुक्रवार को एक पेंट कंपनी के कार्यक्रम में पहुंचे, इस दौरान उन्होंने खास बातचीत में बताया कि उन्होंने चार साल से क्रिकेट नहीं देखा है, वहीं वर्ल्डकप के फाइनल के बारे में बताया कि मैंने वर्ल्ड कप भी नहीं देखा और ना ही इसके मैच, वर्ल्ड कप फाइनल के बारे में बात करते हुए संदीप पाटिल ने बताया कि अगले दिन अखबारों से उन्हें इसके बारे में पता चला कि भारत ने वर्ल्ड कप जीत लिया है। वहीं उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में वह पहले भी आ चुके हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश के क्रिकेट खेला है। इसलिए पहले भी भोपाल आया हूं यह शहर उन्हें बहुत पसंद है।

जल आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अंतर्विभागीय समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में नदियों, तालाबों एवं बांधों में जल पर्यटन, खेल कूद, एम्बुलेंस, वाटर प्लेन, मोती की खेती और मछली पालन जैसी जल आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अंतर्विभागीय समिति का गठन किया गया है। समिति में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव- अध्यक्ष मनोनित किया गया है। समिति में पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव, सदस्य सचिव एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, विमानन विभाग के प्रमुख सचिव तथा मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग के सचिव-सदस्य होंगे।

भू-जल स्तर के गिरावट को रोकने के लिए अंतर्विभागीय समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में भू-जल स्तर की गिरावट को रोकने के लिए अंतर्विभागीय समिति का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव समिति के अध्यक्ष नामांकित किये गये है। समिति में अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग, प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग एवं सचिव किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग को सदस्य एवं सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सदस्य सचिव होंगे। जल संरक्षण के साथ वॉटर हार्वेस्टिंग भवन अनुज्ञा में अनिवार्य रूप से जुड़ने एवं पर्यवेक्षण जल संरचनाओं को संरक्षित रखने और जीर्णोद्धार करने तथा वॉटर टेबल को उचित मानक तक बनाए रखने के लिए समिति कार्यनीति तैयार करेगी।

टेक्नोकेट्स इंटरनेशनल स्कूल भोपाल में वन महोत्सव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। टेक्नोक्रेट्स इंटरनेशनल स्कूल भोपाल में वन महोत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है। एक जुलाई से शुरू हुए इस सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थी और शिक्षक वृक्षों को बचाने और पौधे लगाने के संदेश देते हुए कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसा कर विद्यार्थियों को मनुष्य और पशु-पक्षियों के जीवन में वनों का महत्व और वनों के संरक्षण के बारे में बताया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पौधे भी रोपे। स्कूल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थी वृक्ष बनकर आए और जनता से ना काटो मुझे अपील की। इस मनमोहक नृत्य को खूब सराहा गया। इसके अलावा वृक्षों का महत्व बताने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्र-छात्राओं ने वनों की कटाई से पेड़ों एवं जानवरों की व्यथा को रंगों के माध्यम से कागज पर उकेरा, तो वही लघु नाटिका के माध्यम से वनों की कटाई और उससे होने वाली हानि को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने इस माध्यम से वनों को संरक्षित रखने का संदेश दिया। वन महोत्सव सप्ताह के अंतिम दिन स्कूल के डायरेक्टर रवींद्र दवे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्कूल में पौधारोपण किया। विद्यार्थियों ने वनों के संरक्षण, अधिक से अधिक पौधारोपण करने और अपने परिवार को पौधारोपण के प्रति जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल भोपाल के विद्यार्थियों ने रोपे पौधे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर शनिवार को संत हिरदाराम नगर स्थित मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के 7वीं एवं 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने %एक पेड़ मां के नाम% अभियान में भागीदारी की। नगर-निगम के पौधारोपण अभियान के तहत संत हिरदाराम नगर स्थित गुलाब उद्यान में विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर प्रकृति एवं मां के प्रति समर्पण की भावना को व्यक्त किया। स्कूल का संचालन कर रही संस्था के अध्यक्ष सिद्धभाऊ ने अपने संप्रेषित संदेश में इन विद्यार्थियों को दायित्वबोध कराया।

जैसे माँ बिना स्वार्थ के हमारी सेवा करती है, वैसे ही पेड़ भी हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं - मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आदमपुर छावनी में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण किया। इस दौरान विधायक हुजुर श्री रामेश्वर शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा, पेड़ों का महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक है। वृक्षारोपण आज की आवश्यकता है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान को देश एवं मध्यप्रदेश की जनता ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया है और यह अभियान लगातार वृक्षारोपण कर एक नई हरित क्रान्ति का रूप ले रहा है। मंत्री श्री सिंह ने अपने संबोधन में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते

हुए कहा जैसे माँ बिना स्वार्थ के हमारी सेवा करती है, वैसे ही पेड़ भी हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करते रहना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज का दिन आने वाली पीढ़ी के लिए संकल्प लेने का है। श्री पटेल ने विशेष रूप से वृक्षारोपण पर जोर दिया और कहा, वृक्ष हैं तो जल है, और जल है तो जीवन है। मंत्री ने अपने संबोधन में सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद करेगा।

बल्कि जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके अनुसार, यदि हम आज अधिक वृक्ष लगाएंगे, तो आने वाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपने योगदान का संकल्प लिया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाए गए पौधे आने वाले समय में हरित मध्यप्रदेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगे।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सहित सब-स्टेशनों और रहवासी कालोनियों में रोपे गए पौधे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार ऊर्जा विभाग की बिजली कंपनियों में पर्यावरण को सुरक्षित और स्वच्छ रखने के उद्देश्य से पौध-रोपण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के विभिन्न सब-स्टेशनों और रहवासी कालोनियों में आज पहले चरण में पौध-रोपण किया गया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल मुख्यालय में आयोजित पौध-रोपण कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारियों ने पौध-रोपण कर पेड़-पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। गौरतलब है कि इस समय एक पेड़ मां के नाम पौध-रोपण का देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय पर भी पौध-रोपण का वृहद स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। कंपनी मुख्यालय सहित प्रदेश के विभिन्न सब स्टेशनों में अब तक लक्ष्य से अधिक पौधों का रोपण किया गया है। पौध-रोपण में कंपनी के कार्मिकों के अलावा उनके परिजनों ने भी हिस्सेदारी निभाई। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बिजली नगर कालोनी में भी पौध-रोपण किया गया। यहां की रहवासी कालोनियों में ऑक्सीजन उत्सर्जित करने वाले पौधों के अलावा फलदार और छायादार पौधों की विभिन्न प्रजाति जैसे आम, जामुन, नीम, पीपल, करंज, आंवला, बादाम, इमली आदि प्रजाति के पौधे लगाये गये। पौध-रोपण के पश्चात कार्मिकों और परिजनों ने शपथ लेकर स्वेच्छा से लगाए जा रहे पौधों की देख-रेख का जिम्मा भी लिया।

मजबूती परखने जीजी फ्लायओवर पर खड़े किए 200 टन के 14 डंपर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर में 148 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे जीजी फ्लायओवर (गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर) की लोड टेस्टिंग का काम शुरू कर दिया गया है। इसके लिए शुक्रवार को 200 टन के 14 डंपरों को लाकर फ्लायओवर पर खड़ा कर दिया गया। यह प्रक्रिया चौबीस घंटे जारी रहेगी। इससे पहले जीरो लोड कर फ्लायओवर की प्रतिक्रिया देखी गई और 20 टन वजन के साथ फ्लायओवर का डायल गेज और तापामान मापा गया। जानकारी के अनुसार फ्लायओवर की लोड टेस्टिंग प्रक्रिया शुरू करने से पहले गुरुवार से इसकी तैयारी शुरू कर दी गई थी।

इसके लिए डंपरो में मिट्टी और पत्थर भरना शुरू कर दिया गया था। इसके बाद शुक्रवार सुबह से एक-एक कर डंपर फ्लायओवर पर ले जाना शुरू किया। इस पर लगभग 14 डंपर खड़े किए गए हैं, जिनका वजन 200 टन है। लोड टेस्टिंग के लिए पीडब्लयूडी द्वारा मशीनें लगा दी गई थी। पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील ने बताया कि लोड टेस्टिंग की प्रक्रिया चौबीस घंटे

जारी रहेगी। इसके बाद फ्लायओवर को लेकर आगे की टेस्टिंग की जाएंगी। बता दें कि पीडब्ल्यूडी ने वल्लभ भवन रोटरी से गणेश मंदिर के बीच फ्लायओवर का निर्माणकार्य पूरा कर लिया है। गायत्री मंदिर के पास की थर्ड लेन का काम अभी बचा है। मेट्रो रेल कंपनी ने गणेश मंदिर के सामने आरओबी का काम पूरा करने की तारीख 20 सितंबर तक दी है। इसके बाद ही आरकेएमपी से वीर सावरकर सेतु की ओर जाने वाली सर्विस रोड को पीडब्ल्यूडी बना पाएगा। 20 महीने लेट हो चुके इस फ्लायओवर को शुरू करने की तारीख सात बार बदल चुकी है।

कौशल विकास और रोजगार मंत्री श्री टेटवाल ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास और रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने मंत्रालय में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क के निर्माण कार्यों की समीक्षा की। मंत्री श्री टेटवाल ने श्रमिकों की संख्या बढ़ा कर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई से पार्क में 4 कोर्सेज प्रारंभ होने जा रहे हैं। ट्रेनिंग के लिए आ रहे युवाओं को हॉस्टल और प्रयोगशाला एवं कक्षाओं में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और सभी की सुरक्षा को भी प्राथमिकता पर रखा जाये। मंत्री श्री टेटवाल ने निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव श्री रघुराज एम एवं संचालक श्री गौतम सिंह ने बताया कि 15 जुलाई 2024 से एडवांस ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी,एडवांस मैकेनिकल टेक्नोलॉजी, एडवांस मैकाट्रोनिक्स एवं एडवांस मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल सर्विसेज जैसे 4 पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे हैं। विश्व स्तरीय ग्लोबल स्किल्स पार्क में विश्व के सर्वोत्तम इंस्टीट्यूट्स में से एक आई टी ई ई एस सिंगापुर से ट्रेनिंग लेकर आए 26 कोर्स हेड,प्रिंसिपल ट्रेनर एवं ट्रेनर टेक्निकल ट्रेनिंग देंगे।

सी.एम. हेल्पलाइन में उत्कृष्ट ग्रेडिंग पाने वाले निकायों को नगरीय विकास आयुक्त ने जारी किए प्रशंसा-पत्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त, नगरीय विकास एवं आवास श्री भरत यादव ने सी.एम हेल्पलाइन में उत्कृष्ट ग्रेडिंग पाने वाले निकायों को प्रशंसा-पत्र जारी किए हैं। श्री यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों के अधिकारियों से कहा है कि वे भविष्य में भी इसी तरह निष्ठा और समर्पण से कार्य करते रहें। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत अंक पाने वाले नगर निगमों में बुरहानपुर, छिन्दवाडा और सिंगरौली सम्मिलित हैं। जिला शहरी विकास अभिकरण बैतूल व सीहोर को भी प्रशंसा पत्र दिया गया है। वहीं आष्टा, सेंधवा, बडवानी, औबेदुल्लागंज, कोलारस, थांदला, आमला, छापीहेडा, भेंसदेही, शाहपुर, खुजनेर, सिरमौर को शत-प्रतिशत अंक पाने के लिए प्रशंसा-पत्र जारी किया गया हैं। नगर पालिका परिषदों की श्रेणी में उच्च प्रदर्शन करते हुए 90 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले नगरों के अर्न्तगत सीहोर, बैतूल और वारासिवनी को कम से कम 40 शिकायतों के समाधान के लिए एवं इंदरगढ़, बनखेडी एवं कोठरी नगर परिषद को कम से कम 20 शिकायतों के समाधान के लिए प्रशंसा-पत्र दिया गया है। नगरीय विकास आयुक्त श्री यादव ने अपेक्षा के विपरीत असंतोषजनक प्रदर्शन कर सी ग्रेड व डी ग्रेड पाने वाले निकायों के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन निकायों में मानपुर (जिला उमरिया), जामई, महिदपुर, वनगवां (राजनगर), बरगवां, नौगांव, सुरखी, पथरिया, लोहारदा, करही पन्डिल्या खुर्द, बरही, हनुमना, मधुसूदनगढ, जोबट, चीचली, टीकमगढ, टोंकखुर्द, केवलारी, पोलायकलां, बण्डा, महेश्वर, शहपुरा (जिला डिण्डौरी), धरमपुरी, पाटन, कैलारस और दमोह शामिल हैं।

गैस राहत अस्पतालों और औषधालयों में ओपीडी खुलने का समय तय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के आदेश पर गैस राहत एवं पुनर्वास संचालनालय के अधीन गैस राहत अस्पतालों एवं औषधालयों में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) खुली रहने का समय तय कर दिया गया है। सभी गैस राहत अस्पतालों में सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं शाम 5 बजे से 6 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी। इसी तरह गैस राहत के सभी औषधालयों में सुबह 9 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी। गैस राहत संचालनालय द्वारा सभी गैस राहत अस्पतालों एवं औषधालयों को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। सहायक संचालक, गैस राहत एवं पुनर्वास संचालनालय, भोपाल ने बताया कि संचालक, कमला नेहरू चिकित्सालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गैस राहत, भोपाल, अधीक्षक जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय, इंदिरा गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय, अधीक्षक कमला नेहरू चिकित्सालय, अधीक्षक, पल्मोनरी मेडिसिन सेंटर, अधीक्षक, मास्टर लाल सिंह चिकित्सालय, अधीक्षक, शाकिर अली खान चिकित्सालय, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, बाग उमराव दूल्हा औषधालय, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, रूकमा बाई औषधालय बरखेड़ी, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सिविल डिस्पेंसरी, अशोका गार्डन, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, के.एन.प्रधान औषधालय, जहांगीराबाद, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, माँ कर्मा देवी औषधालय, करोंद, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, मौ.अ.क.आ. औषधालय, पुतली घर, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, कुशाभाऊ ठाकरे औषधालय, नरेला शंकरी, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, लाल बहादुर शास्त्री औषधालय, मालीखेड़ी, भोपाल, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, पॉली क्लीनिक, इब्राहिमगंज, भोपाल को इस संबंध में निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी अस्पताल अधीक्षकों एवं औषधालय प्रभारियों से कहा गया है कि गैस राहत अधीन सभी डॉक्टर्स तय समय के अनुसार अस्पताल एवं औषधालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर मरीजों का इलाज करें। अस्पताल अधीक्षकों एवं औषधालय प्रभारियों से यह भी कहा गया है कि यदि डॉक्टर्स तय किये गये समय पर ओपीडी में उपस्थित नहीं होकर मरीजों का इलाज नहीं करते हैं, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाये।

महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं आर्थिक स्वावलम्बन की ओर बढ़ते मजबूत कदम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा उनके आर्थिक स्वावलम्बन के लिए बालिकाओं के जन्म से लेकर उनके सम्पूर्ण जीवन के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं और कार्यक्रम लागू किए जा रहे है। चाहे वह नौनिहालों के सुनहरे भविष्य बनाने के लिए सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना हो, बेटियों के जन्म से उन्हें लखपति बनाने की लाड़ली लक्ष्मी योजना या फिर बहन-बेटियों को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने में न सिर्फ समर्थ हुई बल्कि बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने और वित्तीय जागरूकता का संयम करती लाड़ली बहना योजना हो, सभी योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त कर अपने परिवार और समाज में एक अलग पहचान बनाने में

सफलता प्राप्त की। इसकी निंतरता को बरकरार रखने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 के लिए 26 हजार 560 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 81 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष बाल बजट में 70 हजार 447 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता में रखते हुए प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को निरंतर जारी रखा गया है। योजना में इस वर्ष 18 हजार 984 करोड़ का प्रावधान किया गया है। योजना में 21 से 60 वर्ष की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रूपये की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में (सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0) के तहत आंगनवाड़ी सेवाएं के लिए 3469 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इसमें मुख्य-6 सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। पूरक पोषण आहार जिसमें 6 माह से 6 वर्ष आयु के बच्चों, गर्भवती व धात्री माताओं तथा किशारी बालिकाओं को वर्ष में कम से कम 30 दिन पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जाता है। ग्रोथ मॉनिटरिंग एवं टीकाकरण के अन्तर्गत माह में निर्धारित 10 दिवसों में 6 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों का ग्रोथ मॉनिटरिंग एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से माह में एक दिन बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाता है। आंगनवाड़ी सेवाओं में शाला पूर्व शिक्षा के तहत 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के प्रतिदिन आंगनवाड़ी आने वाले बच्चों को शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक, भाषाई और सौंदर्य बोध की शिक्षा दी जाती है पोषण स्वास्थ्य शिक्षा के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्वंय एवं आशा तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ता के सहयोग से केन्द्र स्तर पर सामूहिक एवं गृह भेंट कर हितग्राहियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं संतुलित भोजन आदि के बारे में परामर्श दिया जाता है।

श्रम विभाग जॉच के नाम पर लीपापोती तक सीमित

प्रतिबंध बेअसर - चेहरे पर उदासी लिये कम वेतन में भी बाल श्रमिक कर रहे मजदूरी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के व्यापारियों के बीच श्रम विभाग इन दिनो चर्चा का विषय बना हुआ है। कहने के लिये तो जिला श्रम विभाग के निरीक्षक एवं अमले द्वारा आए दिन औचक निरीक्षण किया जाता है साथ ही कई स्थलों पर कमियॉ मिलने के बाद भी विधि अनुसार कार्रवाई का अभाव बना हुआ है। आरोप है कि आरोपियों को कड़ी कार्रवाई का भय दिखा कर भेंट मुलाकात के उपरांत प्रकरण न्यायालय तक पहुॅचने के पूर्व ही दम तोड़ देता है।

जिसके चलते कई ऐसे दुकानदार, होटल व्यवसाई, जिले के कई ठेकेदार, मजदूरी प्रथा एवं अन्य स्थलों पर श्रमिकों के हितो का दमन किया जाता है। वहीं कई संस्थानो में तो बाल श्रमिक फटे कपड़े, हाथ में जूठे बर्तन और चेहरे पर उदासी से भरी मासूमियत लेकर कम वेतन में भी दिन रात श्रम करने को मजबूर हो रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट और मध्य प्रदेश शासन द्वारा पूरी तरह से बाल श्रम प्रतिबंधित किया है। इसके बाद भी जिले में बाल श्रम धड़ल्ले से चल रहा है। बचपन बचाओं जैसे नारे देकर सरकार भले ही बाल कल्याण के लिए करोड़ों रुपए पानी में बहा रही है लेकिन आज भी बाल श्रमिकों पर पाबंदी नहीं लग सकी। व्यापारिक संस्थानो में सैकड़ों नाबालिग बच्चे दो वक्त की रोटी के लिए बाल श्रम करने को मजबूर है। बालश्रम की रोकथाम के लिए वर्ष में एकात बार दिखावे के लिये अभियान चलाया जाता है उसके बाद फिर से बात आई गई हो जाती है। ग्रामींण अंचलो की बात अगर दर किनार कर भी दें तो जिला मुख्यालय पर भी निरीक्षक बाल श्रमिकों के हितों की रक्षा नही कर पा रहे हैं।

सस्ते में मिल जाते हैं बाल श्रमिक - बालश्रम कराने वाले लोगों को कुछ रुपए खर्च कर सस्ते मजदूर मिल जाते हैं। करीब 200.250 रुपए में सुबह से शाम तक मजदूरी करते हैं। बालश्रम में जुटे अधिकांश बच्चे घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बोझ तले दबे हैं। पढने-लिखने की उम्र में ये बच्चे कप-प्लेट और गिलास धोते एवं ठेकेदार, मालिक की खरी खोटी सुनने को मजबूर हैं।

ढावा में खप रहा बचपन, निरीक्षक बने अनजान - बहरी थाना से महज कुछ ही दूरी पर संचालित ठावा में औचक निरीक्षण के दौरान एक बाल श्रमिक ने चर्चा के दौरान बताया कि वह सुबह से लेकर देर रात तक बर्तन साफकरता है। बदले में मालिक उसे 200 रुपए और खाना देता है। किशोर का पिता शराबी है। उसकी मां और दो छोटी बहनों के भरण-पोषण का जिम्मा उसके भरोसे है। स्कूल जाने की उम्र में काम करने के सवाल पर वह मासूमियत से कहता है कि पहले पेट पूजा की व्यवस्था हो जाये फिर पढ़ाई के बारे में सोचूं। आपको बताते चलें कि जिला श्रम विभाग का अमला जिले में आए दिन औचक निरीक्षण तो करता रहता है किन्तु इनके द्वारा शासकीय दस्तावेजों में बाल श्रमिको की संख्या हमेशा से निरंक ही बताई जाती है। परिवार की जिम्मेवारियों के चलतें बाल श्रमिक अपना पूरा बचपन बाल श्रम में खपा रहें हैं।

दस्तावेजो से गायब हुए बाल श्रमिक - अपुष्ट सूत्रों की माने तो जिला श्रम विभाग के पास बालश्रम के कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं है। जबकि जानकारी के अनुसार विगत वर्षो में जिला कलेक्टर की पहल पर श्रम विभाग के द्वारा निरीक्षण कार्य को गति दी गई किन्तु परिणाम में बाल श्रमिकों की संख्या निरंक पाई गई थी। इसके बाद से आज तक कोई भी सर्वे नहीं किया गया। मतलब साफ है कि श्रम विभाग चाइल्ड लेबर जैसे गंभीर प्रकरणों पर कार्रवाई करना अपना कर्तव्य नहीं मानता है। तभी प्रशासन की मौजूदगी में बालश्रम जैसा गंभीर अपराध चल रहा है।

सामूहिक प्रयास की दरकार - सीधी जिले में बालश्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कई कदम भी उठाये हैं। समस्या के विस्तार और गंभीरता को देखते हुए इसे एक सामाजिक.आर्थिक समस्या मानी जा रही है जो चेतना की कमी, गरीबी और निरक्षरता से जुड़ी हुई है। जिले के वरिष्ठ समाजसेवियों की माने तो इस समस्या के समाधान हेतु समाज के सभी वर्गों द्वारा सामूहिक प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन बच्चों के लिए हॉस्टल संचालित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि भारत शासन की पीएबी की बैठक 07 मई 2023 द्वारा सत्र 2023-24 की वार्षिक कार्य योजना अनुसार छात्रावासों के संचालन की सहमति प्रदान की गई है। सीधी जिले के लिए स्वीकृत बालक छात्रावास का संचालन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सीधी के हास्टल में किया जाना है।

प्रवेश के मापदण्डः कक्षा 5वीं उत्तीर्ण ऐसे बालक छात्र जो शाला त्यागी, शाला से बाहर एवं पलायन, अप्रवेशी, बेघर, अनाथ, सिंगल पेरेन्टस एवं दिव्यांग है ऐसे समस्त बालकों को कक्षा 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। ऐसे ग्राम जहां 3 किलोमीटर की परिधि में कोई माध्यमिक एवं 5 किलोमीटर की परिधि में हाई स्कूल/हा.से. शाला उपलब्ध नहीं है जिसके कारण छात्र ने पढ़ाई छोड़ दी है। विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र में दर्ज ऐसे बालक जो कक्षा 5वीं की योग्यता रखते हो उन्हे उक्त छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति की ऐसे आश्रम शालाएं जो प्राथमिक स्तर की है उन आश्रम शालाओं के 5वीं उत्तीर्ण होने वाले बालकों को 6वीं में प्रवेश दिया जायेगा। स्थानीय बालकों को छात्रावास में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। पी.एम.केयर/विशेष सहायता हेतु चिन्हित बालकों को आवश्यकतानुसार छात्रावास में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्त प्राथमिकता क्रम के आधार पर अगर सीट रिक्त रह जाती है तो अन्य जरूरत मंद 5वीं पास अध्ययनरत बालकों के प्रवेश हेतु विचार किया जावेगा। प्रवेश हेतु प्रवेश फार्म 15 जून 2024 से जिला शिक्षा केन्द्र व सभी बी.आर.सी.सी. कार्यालय में उपलब्ध है। प्रवेशित बालकों को नजदीकी विद्यालय जैसे हाई स्कूल कोतर कला, माध्यमिक विद्यालय अमहा में अध्ययन करने की सुविधा रहेगी। ध्यान रहे सभी प्रवेशित बालकों के रहने, खाने पाठ्य पुस्तक, गणवेश आदि की सुविधा मुफ्त रहेगी।

उन्होने विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समस्त जनपद शिक्षा केन्द्र को निर्देशित किया है कि अपने विकासखण्ड क्षेत्रान्तर्गत समस्त जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को छात्रावास संचालन के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अवगत कराते हुए प्रवेश हेतु पात्रता एवं प्राथमिकता भी सभी जनप्रतिनिधिगण को बतावें और स्वयं इस तरह के बच्चों का समस्त प्रधानाध्यापकों, समस्त जनशिक्षकों व समस्त एस.एम.सी. अध्यक्ष व सदस्यों के माध्यम से सघन सर्वे कराकर पात्र बालकों को छात्रावास मे अभिभावकों के सहमति के आधार पर प्रवेश दिलाएं।

म.प्र. पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 08 जुलाई तक

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी लेंगे भाग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 27 जुलाई को आयोजित होगी।

जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को प्रदेश के समृद्वशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्वि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की सम्भावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

एपीसी रमसा एवं पर्यटन क्विज के नोडल ने जानकारी देकर बताया कि प्रत्येक स्कूल की टीम में तीन छात्र शामिल होंगे। 27 जुलाई को लिखित परीक्षा होगी इसमें 6 टीम चयनित कर मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली इन 6 टीमों को मध्य प्रदेश के पर्यटक स्थल को घूमने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके हैं, जिसकी अंतिम तिथि 8 जुलाई 2024 है।

सभी शासकीय - अशासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य को जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने-अपने विद्यालय के 3 छात्रों की एक टीम का पंजीयन निर्धारित तिथि के पूर्व कराएं जाने हेतु पत्र जारी किया है।

महिला बाल विकास की समझाइश का हुआ असर, रोंका गया बाल विवाह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। ग्रामींण अंचलो में आज भी बाल विवाह प्रथा पर पूर्णत: अंकुश नही लग सका है। आए दिन लोग शुभ मुहुर्त में चोरी छुपके नाबालिग बच्चे बच्चियों के बचपन से खिलवाड़ करते हुए उन्हे वैवाहिक बंधन में बांधने से नहीं चूकते हैं। ऐसा ही एक प्रकरण शनिवार को संज्ञान में आया जहॉ परिजनो के द्वारा बाल विवाह कराया जा रहा था। सूचना के बाद जिला प्रशासन की पहल पर नाबालिग के परिजनो को उचित समझाइश दे कर बाल विवाह को रोंकने में सफलता हॉशिल हुई है।

बताया गया कि महिला बाल विकास परियोजना कुसमी अंतर्गत ग्राम वस्तुआ में बाल विवाह होने की शिकायत चाइल्ड लाइन के माध्यम से परियोजना अधिकारी कुसमी मानकुमारी पनाडिया को प्राप्त हुई थी। जिस पर परियोजना अधिकारी ने टीम गठित कर 6 जुलाई 2024 को जांच टीम भेजा। टीम ग्राम वस्तुआ में पहुचकर पाया कि सुनील कुमार अगरिया पिता रंजीत अगरिया ग्राम बस्तुआ थाना पोड़ी तहसील कुसमी जिला सीधी मध्य प्रदेश जिसकी आयु 17 वर्ष थी। जिसका विवाह 10 जुलाई 24 को ग्राम लिपनिया नौरोजाबाद जिला उमरिया मध्य प्रदेश में होना सुनिश्चित हुआ था किंतु बालक की उम्र अंक सूची एवं आधार कार्ड के अवलोकन के पश्चात 17 वर्ष पाई गयी। जो कि बाल विवाह की श्रेणी में आता था।

निरीक्षण टीम द्वारा बताया गया कि उक्त नाबालिग बालक के माता.पिता एवं रिश्तेदार को समझाइस दे कर बाल विवाह को रोक दिया गया है साथ ही माता पिता को बाल विवाह के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया है कि यह अपराध की श्रेणी में आता है और सजा का भी प्रावधान है इसलिए अभी आप बच्चे की शादी न करें और परिजन मान भी गए। उक्त कार्रवाई के दौरान परिवेक्षक शोभावान, सरपंच वस्तुआ, सचिव ग्राम पंचायत के पच पंचगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका मौजूद रहें।

पुलिस ने कांबिंग गस्त के दौरान फरार 61 आरोपियों को किया गिरफ्तार

33 गुण्डा बदमाश व 20 निगरानी बदमाश को दी गई हिदायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकअरविंद श्रीवास्तव एवं समस्त अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन एवं समस्त थाना के थाना प्रभारियों के नेतृत्व में सीधी पुलिस ने हत्या, लूट, डकैती, मारपीट, आबकारी आदि जैसे विभिन्न अपराधों के प्रकरणों मे जो आरोपी न्यायालय के समक्ष उपास्थित नहीं हुए थें, उनके विरुद्ध न्यायालय द्वारा स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस द्वारा पूर्व में लंबे समय से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के हर संभव प्रयास किये गयें लेकिन ऐसे आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही थी। तब पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम राशि की उद्घोषणा की गई थी।

बताया गया कि 5 जुलाई के दरम्यानी रात एक बार पुन: जिले भर में विशेष अभियान चलाकर 8 स्थाई वारंट एवं 53 गिरफ्तारी वारंट कुल 61 वारंट तमिल किए गए हैं। साथ ही 33 गुण्डा बदमाश एवं 20 निगरानी बदमाशों को कांबिंग गस्त के दौरान चेक कर हिदायत दी गई। एक बार पुन: कांबिंग गस्त में 61 वारंटियों को गिरफ्तार कर सीधी पुलिस ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि सीधी में कानून का राज है और अपराधी चाहे जितना शातिर हो अगर वह जिले की कानून व्यवस्था के साथ छेड़ छाड़ करता है तो वह सीधी पुलिस के शिकंजे से बच नही सकता।

उत्कृष्ट विद्यालय सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

बच्चों को सरल शब्दों में अधिकारों एवं कर्तव्यों के विषय में दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में एवं मुकेश कुमार प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय की अध्यक्षता में जिला न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी वीरेन्द्र जोशी के द्वारा शनिवार 06 जुलाई को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 जिला सीधी में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय मुकेश कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को कहा कि अपने शिक्षकों का सम्मान करे, अपने चरित्र का निर्माण करें एवं नशे जैसी चीजों से दूर रहे। श्री कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को अच्छे बुरे की पहचान कराते हुए कानून के विषय में जानकारी दी।

जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वीरेन्द्र जोशी ने अपने संबोधन में बड़े ही सरल तरीके से विधि विषय की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम होने पर वाहन न चलाने, बाल विवाह रोकना, सही एवं गलत की पहचान करना, अपराध क्या होता है इसके बारे में जागरूक किया। साथ ही बालकों को उनके भविष्य के लिए एक लक्ष्य निर्धारित कर उसको अर्जित करने के लिए अनुशासन के साथ कठोर परिश्रम से जुट जाने हेतु प्रेरित किया।

सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी ने उपस्थित छात्र छात्राओं को सही गलत की परख करना, श्री राम जी के आदर्शों और चरित्र से सीख लेकर उन्हें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

उक्त विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में विद्यालय के प्राचार्य शंभुनाथ त्रिपाठी, उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र सिंह बघेल ने किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रकट डॉ. संजीव कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया।

जिले में औसत वर्षा 134.6 मि.मी. दर्ज

सर्वाधिक वर्षा रामपुर नैकिन में

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 06 जुलाई को सीधी जिले में 1.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 8.2 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 134.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 06 जुलाई तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 206.1 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 74.8, गोपद बनास में 109.0, सिहावल में 130.0, बहरी में 120.4 मझौली में 136.0 मि.मी. और कुसमी में 166.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 119.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 14.9 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

अमिलिया पुलिस की कार्रवाई

7 किलो से अधिक गांजे का परिवहन करते तीन आरोपियों को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अमिलिया पुलिस ने तीन आरोपियों को गांजे के परिवहन करने के आरोप में पकड़ा है। आरोपियों के पास से 7 किलो से अधिक का गांजा भी जब्त किया गया है।

यह था पूरा मामला: थाना प्रभारी राजेश पांडे ने शनिवार को बताया कि एसआई इंद्राज सिंह को सूचना मिली थी कि कुचवाही तरफ से रवि साहू काले रंग की बाइक (एमपी 53 एमई 5471) से आ रहा है, जिसमें तीन लोग बैठे हैं।

इसके बाद पुलिस ने तीनों को पकड़ा। आरोपी रवि साहू (21), मुबारक खान (26) और सुनील दहिया (24) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 7.236 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत 70 हजार रुपए है।

सीमांकन के लिए विशेष अभियान में किए गए 773 सीमांकन

कलेक्टर के निर्देशन में प्रत्येक शनिवार को चलाया जा रहा विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए जिले में सीमांकन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लगातार दूसरे सप्ताह शनिवार को आयोजित सीमांकन के विशेष अभियान के तहत जिले में 773 सीमांकन किए गए। गत सप्ताह शनिवार को विशेष सीमांकन अभियान के तहत 1050 सीमांकन किए गए थे। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार द्वारा अभियान की सतत निगरानी की गई तथा मौके पर जाकर सीमांकन का

अवलोकन भी किया गया।

विशेष अभियान के तहत तहसील गोपद बनास में 220, चुरहट में 81, रामपुर नैकिन में 103, बहरी में 109, सिहावल में 100, मझौली में 49, मड़वास में 54 एवं कुसमी में 57 सीमांकन किए गए। विशेष अभियान के लिए तहसीलवार राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों के 119 संयुक्त दल गठित किये गये थे। तहसील गोपद बनास में 28, चुरहट में 12, रामपुर नैकिन में 17, बहरी में 23, सिहावल में 16, मझौली में 8, मड़वास में 5 एवं कुसमी में 10 दलों द्वारा सीमांकन किया गया।

कलेक्टर सोमवंशी ने निर्देशित किया है कि अभियान के दौरान सीमांकन के अधिकतम प्रकरणों के प्रयास किए जाए।सभी दल सीमांकन संबंधी अपनी रिपोर्ट समय-सीमा में प्रस्तुत करेंगे तथा पीठासीन अधिकारी लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करेंगे। गत दो सप्ताह में किए गए सीमांकन की प्रगति आरसीएमएस में लंबित प्रकरणों के निराकरण में भी दिखनी चाहिए।

कलेक्टर ने उक्त अभियान में किए गए प्रयासों के लिए राजस्व विभाग की पूरी टीम की सराहना की है। साथ ही किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए इसी प्रकार से तत्परता के साथ प्रयास सतत रूप से जारी रखने के लिए कहा है।

विचार

एक बुरी आदत से मुक्ति...!

जैसा कि मैं असंतुष्ट अजित पवार के बारे में सुनता रहता हूं जो इस बार लोकसभा में सिर्फ एक सीट लेकर आए हैं। मुझे याद है कि उन्होंने एक व्यक्ति को कुछ सही करने के लिए प्रेरित किया था और यह तब था जब महाराष्ट्र के एक उप-मुख्यमंत्री को तंबाकू चबाने की बुरी आदत थी! सांगली के इस्लामपुर में एक मंच पर बैठे उप-मुख्यमंत्री आर.आर. पाटिल ने अजित पवार को उनकी बुरी आदत के लिए खुले तौर पर उपहास करते हुए सुना। उन्होंने कोई प्रतिक्रया नहीं दी। पाटिल ने बदला लेने की कसम नहीं खाई। वह बस घर गए और उन्होंने इस आदत को छोडने का फैसला किया। जब मैंने रिपोर्ट सुनी तो दो चीजें थीं जिन्होंने मुझे प्रभावित किया। एक, कि वह रचनात्मक आलोचना को अच्छी तरह से स्वीकार करने में सक्षम थे, और दूसरा, कि उनमें एक बुरी आदत को छोडने की इच्छाशक्ति और साहस था। कई साल पहले, मेरे एक अच्छे दोस्त ने बदलाव लाने और एक भयानक आदत छोडने का फैसला किया। वह शराबी था और इससे बुरा मैंने अभी तक नहीं देखा। बार-बार उन लोगों का फोन आता था जो जानते थे कि हम दोस्त हैं और मुझे उसे किसी नाले से उठाना पड़ता था जहां वह रात भर शराब पीने के बाद गिर गया होता था या सो जाता था। शराब पीने के लिए पैसे जुटाने के लिए, वह एक पुल के पार एक ठेले को धकेलने में मदद करता था और कुछ रुपए प्राप्त करता था। ध्यान रहे, वह एक पढ़ा-लिखा व्यक्ति था। एक दिन उसने इस आदत से छुटकारा पाने का फैसला किया। मैं उसे अपने घर ले गया और मुझे पहली रात याद है जब वह अपने वापसी के लक्षणों से गुजर रहा था तो उसके गले से भयानक आवाजें आ रही थीं। अगले दिन मैंने उसे सायन अस्पताल में भर्ती कराया। वह पूरे पुनर्वास उपचार से गुजरा और आज तक, 35 वर्ष से अधिक समय के बाद भी उसने शराब की एक बूंद भी नहीं छुई। शराब, तम्बाकू, अश्लील साहित्य और न जाने कितने व्यसन हमें चारों ओर से लपेट लेते हैं। मेहनती कर्मचारी को अचानक पता चलता है कि उसे अपना पहला पैग लेने के लिए हर दिन 5 बजे बाहर निकलना पड़ता है। पहले तो किसी ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन जल्द ही बॉस ने ध्यान दिया। सहकर्मियों ने उसके अजीब व्यवहार की शिकायत की और एक सफल करियर रुक गया। नशों की लत से परिवार टूट गए हैं और गटर या कब्र ही उनका अंतिम पड़ाव है। आज मैं 2 तरह के लोगों को संबोधित करता हूं, पहला वे जो धीरे-धीरे नशे की ओर बढ़ रहे हैं और दूसरे वे जो पहले से ही नशे के आदी हैं। उनका इलाज वही है जो महाराष्ट्र के दिवंगत डिप्टी सी.एम. ने किया। पैग को फैंक दें, बोतल को न देखें, नशीली दवाओं की आदत को रोकें, या अश्लील सामग्री की ओर आकर्षित न हों। वापसी के लक्षण आपको जल्द दिखाई देंगे। कोई भी आदत छूटने पर दर्द होता है। लेकिन देखने वाली बात है कि आखिरकार आपके जीवन में जल्द बदलाव आएगा। चाहे आप पुरुष हों या महिला, दृढ़ रहें और आदत को जड़ से खत्म कर दें। बदलाव लाने में कभी देर नहीं होती.

सार्थक संवाद की दृष्टि से निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

प्रो. संजय द्विवेदी

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी। राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था।

लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें %सक्रिय नेता प्रतिपक्ष% घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें %मैन आफ द मैच% घोषित कर दिया। ज़ाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए। लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मर्यादाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नयी सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छः माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है।

हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं, विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है। लोकसभा के पहले सत्र का लाइव प्रसारण देखते हुए हर संवेदनशील भारतीय जन को ये दृश्य अच्छे नहीं लगे हैं। संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं की रक्षा हमारे सांसद गण नहीं करेंगे तो कौन करेगा? संसदीय राजनीति के शिखर पर बैठे दायित्ववान सांसदों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने आचरण से इस महान संस्था का गौरव बढ़ाने में सहयोगी बनें। नफरतों, कड़वाहटों और संवादहीनता से राजनीति तो संभव है पर राष्ट्रनीति हम न कर पाएंगे।

सरकार का आर्थिक विकास माडल जनविरोधी

आज की दुनिया में, जब विज्ञान ने हर क्षेत्र में अद्भुत आविष्कारों के माध्यम से मानव जाति की भलाई के लिए काफी प्रगति की है तो युद्धरत देशों के उकसावे के परिणामस्वरूप सभी महाद्वीपों में घातक युद्ध छिड़ गए हैं। इन युद्धों में मिसाइलें, बम और अन्य नए हथियार शामिल हैं। घातक हथियारों के माध्यम से अधिक से अधिक निर्दोष लोगों, विशेषकर महिलाओं और मासूम बच्चों को मारने की 'योजनाएं' बनाई जा रही हैं। यही नहीं मानवता के हत्यारे दुनिया के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुके अपने जानलेवा कृत्यों पर भी गर्व कर रहे हैं। विज्ञान की खोजों से मनुष्य को विभिन्न असाध्य रोगों तथा अन्य अनेक प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिली है तथा प्रकृति की अभेद्य परतों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जानने-समझने का अवसर मिला है। हालांकि जो लोग दुनिया को गुलाम बनाना चाहते हैं उन्होंने विज्ञान की इन खोजों का दुरुपयोग करके पूरी मानवता को नष्ट करने की योजना भी बनाई है। यह सब सिर्फ मुनाफे के भूखे मुट्ठी भर लोगों की अधिक से अधिक पूंजी जमा करके बड़ा बनने की चाह के कारण हो रहा है। दुनिया में अलग-अलग देशों के बीच चल रहे युद्धों से जहां लाखों निर्दोष लोग हमेशा के लिए सो रहे हैं, वहीं गंभीर रूप से घायल लोग भी हैं जो मौत से भी बदतर जिंदगी जीने को मजबूर हैं। घावों से बिलबिलाते और भूख से तड़पते गाजा के मासूम बच्चों की तस्वीरें देखकर हर संवेदनशील व्यक्ति का दिल पिघल जाता है। इन्हीं अराजक परिस्थितियों में उपजे प्रयासों के परिणामस्वरूप विकसित पूंजीवादी देशों, विशेषकर अमरीका में, अवसाद के शिकार, मानसिक रोगी, दर्जनों स्कूली बच्चों या अन्य मासूमों को सुइयां मारकर मार डालने जैसे मामले दैनिक जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। आर्थिक रूप से गरीब एवं पिछड़े देशों की आम जनता गरीबी-बेरोजगारी, भुखमरी, कुपोषण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से पीड़ित है। सरकारें आंख मूंद कर अपने अमीर आकाओं की रक्षा कर रही हैं। कुछ दिन पहले ही भारत की सत्ताधारी पार्टी के मुखिया के तौर पर नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। वे भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाकर 'विश्व गुरु' बनाने का दिखावा कर रहे हैं, जबकि देश की आधी से ज्यादा आबादी यानी 80 करोड़ लोग 5 किलो आटा-दाल-चावल देने की सरकारी योजना के दायरे में हैं। अगर सरकार इस योजना की शर्तों में ढील दे तो शायद इस श्रेणी में और भी करोड़ों लोग शामिल हो जाएंगे। देश पर विदेशी कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। शिक्षा की दुर्गति को नीट परीक्षा के पेपर लीक होने से 25 लाख से अधिक बच्चों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ से ही समझा जा सकता है। शिक्षा के महंगा होने के कारण करोड़ों बच्चे स्कूल-कॉलेजों में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। आर्थिक विकास का जो मॉडल दिखाकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है वह पूरी तरह से जनविरोधी है। वास्तविक आर्थिक विकास जी.डी.पी. भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि से नहीं मापा जा सकता। इसका वास्तविक पैमाना देश की कुल आबादी को उपलब्ध सामाजिक-आर्थिक सुविधाओं की मात्रा से तय किया जाना है। सच तो यह है कि 1947 के बाद देश की हर सरकार द्वारा पूंजीवादी तर्ज पर आर्थिक विकास किया गया है। लेकिन यदि कोई शासक दिन-रात यह चिल्लाता रहे कि देश का आर्थिक विकास उसके किसी व्यक्तिगत बलिदान का परिणाम है या उसकी किसी अलौकिक शक्ति के कारण है, तो यह शुद्ध पाखंड है। हवाई, समुद्री और सड़क परिवहन सुविधाओं का विकास, आधुनिक अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान, नई तकनीक से सुसज्जित औद्योगिक परियोजनाएं, नई और महंगी कारें, आसमान छूती आवासीय इमारतें बेशक आर्थिक विकास के दायरे में आती हैं, लेकिन इन सबका सच क्या है? इससे ज्यादातर उच्च वर्ग के मुट्ठी भर लोगों को लाभ होता है और आबादी का बड़ा हिस्सा इस विकास मॉडल में भाग लेने से लाभान्वित होने से वंचित रह जाता है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट

प्रह्लाद सबनानी

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस

आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है।

केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले।

क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है। ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा। दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

पीएम आवास में गड़बड़ी, 15 दिनों में होगी कार्रवाई

सरगुजा प्रभारी मंत्री बोले- छत्तीसगढ़ में एसीबी फ्री हैंड, बख्शे नहीं जाएंगे भ्रष्टाचारी

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा जिले में पीएम आवास में गड़बड़ी करने के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। सरगुजा प्रवास पर पहुंचे वित्तमंत्री और सरगुजा प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने दोषियों के खिलाफ15 दिन में कार्रवाई करने कलेक्टर और सीईओ को सख्त निर्देश दिए हैं। ओपी चौधरी ने कहा कि, पूर्व सरकार के लोग ही भ्रष्टाचार में डूबे थे। अब एसीबी को फ्री हैंड कर दिया गया है।

सरगुजा के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने शुक्रवार रात तक अधिकारियों की बैठक ली। सरगुजा में ऐसे 10 बड़े प्रोजेक्ट चिन्हांकित करने के निर्देश कलेक्टर भोसकर को दिए, जो जिले की पहचान बन सके। आमजन को लंबे समय तक इनका लाभ मिलता रहे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्पोर्ट्स, पर्यावरण सौंदर्यीकरण, सड़क, शहरी विकास, रोजगार आदि से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट चिन्हांकित करें। इन्हें डीएमएफ, सीएसआर जैसे मद के सहयोग से तैयार कराने की कार्ययोजना बनाकर पूरा कराएं।

एसीबी प्रदेश में फ्री हैंड: वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने शनिवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि, पहले की सरकार में खुद सरकार चलाने वाले भ्रष्ट थे, तो एसीबी उन पर छापे नहीं डाल सकती थी। एसीबी को एक्टिव कर स्पष्ट रूप से विष्णुदेव साय सरकार में फ्री हैंड किया गया है। जो भी भ्रष्टाचार करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम आवास में गड़बड़ी पर 15 दिनों में कार्रवाई: ओपी चौधरी ने कहा कि, पीएम आवास में हितग्राहियों का पैसा दूसरों के खातों में ट्रांसफर किया गया है। इसका रैकेट है। जिस पर 15 दिनों में कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश सरगुजा कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को दिया गया है। ऐसे जो भी गलत करेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

सरगुजा जिले के मैनपाट ब्लॉक में 600 से अधिक योजना के हिग्राहियों का पैसा जनपद कर्मचारियों के रिश्तेदारों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया है। यह घोटाला साल 2016 से 2023 में स्वीकृत हुए पीएम आवास की राशि में किया गया है। इसमें 3.5 करोड़ रुपए से ज्यादा की हेराफेरी की आशंका है। सरगुजा कलेक्टर ने सीतापुर एसडीएम की अध्यक्षता में 3 सदस्यीय समिति बनाकर जांच शुरू करा दी है।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने लगाई फटकार: सरगुजा जिले की समीक्षा बैठक में वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। राजस्व विभाग की हीलाहवाली पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। वर्षों से एक ही स्थान पर जमे राजस्व निरीक्षकों और पटवारियों को हटाने के निर्देश दिए।

मंत्री चौधरी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना से ज्यादा से ज्यादा किसानों का पंजीयन कराने कहा। ओपी चौधरी ने अभियान चलाकर शत-प्रतिशत वनाधिकार पत्र धारी किसानों को पीएम किसान निधि योजना से जोड़ें। मंत्री ने कहा कि, सहकारी समितियों में उर्वरक की कमी और कालाबाजारी न हो, इसका ध्यान रखें।

उद्यानिकी में पर्याप्त संभावनाएं: ओपी चौधरी ने कहा कि, सरगुजा के अनुकूल वातावरण के कारण यहां उद्यानिकी फसलों के लिए अच्छी संभावनाएं हैं। रिसर्च कर किसानों को बेहतर गुणवत्ता के पौधे उपलब्ध कराएं। मैनपाट में लीची के विभिन्न वैराइटी बॉम्बे अर्ली आदि के उत्पादन के लिए प्रयास के निर्देश दिए। पीवीटीजी बसाहटों के लिए किए जा रहे कार्य की भी मंत्री ने समीक्षा की।

मेडिकल कॉलेज का काम जल्द पूरा करने के निर्देश: मंत्री ओपी चौधरी ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल का कार्य जल्द पूरी कराने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, आवश्यक बजट दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत पूरे कार्यों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी ली। धारा 170 ख के प्रकरणों के निराकरण हेतु शुरू किए गए स्पेशल कोर्ट की पहल की प्रभारी मंत्री ने प्रशंसा की और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। मंत्री ने मैनपाट में भूमि संबंधी मामलों पर उन्होंने कलेक्टर के मार्गदर्शन में एसडीएम को कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में सांसद चिंतामणि महाराज ने बैठक में शासकीय भूमि के अतिक्रमण को रोकने प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि के रिकॉर्ड दुरुस्त किए जाएं।

जहरीला मशरूम खाने से 2 साल की बच्ची की मौत

मरवाही में एक ही परिवार के 8 लोग बीमार, सब्जी खाने के बाद करने लगे उल्टी

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जहरीला मशरूम खाने से एक ही परिवार के आठ लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए और एक 2 साल की मासूम की मौत हो गई। पूरा मामला थाना मरवाही क्षेत्र के ग्राम मरवाही के नवा टोला का है। नवाटोला के रहने वाले अशोक चंद्रा के परिवार ने शुक्रवार की शाम जंगल से लाए मशरूम पकाकर खाया था। सब्जी खाने के बाद परिवार के सभी अचानक उल्टियां करने लगे। एक दो साल की बच्ची सिद्धि चंद्रा की तबीयत ज्यादा ही बिगड़ गई।

तबीयत खराब होने से बच्ची की मौत: बच्ची को इलाज के लिए मरवाही के प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे इलाज के बाद वापस घर भेज दिया गया। जिसकी शनिवार सुबह तकरीबन 10 बजे मौत हो गई। इसके बाद घर के सभी बीमार लोगों को 108 संजीवनी एंबुलेंस के माध्यम से आनन-फानन में मरवाही अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मरीजों की हालत खतरे से बाहर: अस्पताल में सभी का इलाज जारी है। फिलहाल, मरीजों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

जंगल से लाकर बनाई थी सब्जी: मरवाही डॉ. हर्षवर्धन मेहर ने बताया कि बच्ची को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया। वहीं परिवार के 8 सदस्यों को भर्ती कराया गया है। जानकारी मिली है कि जंगल से लाकर किसी चीज की सब्जी परिवार ने खाई थी। जिसकी वजह से सभी को उल्टी, पेट दर्द जैसी शिकायत हुई।

खाना बनाने से मना किया, पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

सिर, चेहरा, पीठ, कमर पर किया डंडे से ताबड़तोड़ वार, आरोपी पति गिरफ्तार

मीडिया आडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पत्नी ने खाना बनाने से मना किया तो पति ने उसकी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना जिले के बागबहार थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक पति के कहने पर पत्नी ने खाना नहीं बनाया। इससे नाराज होकर पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया को घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति रामकुमार नाग (35) को गिरफ्तार किया गया है।

महिला के भाई ने दर्ज कराई रिपोर्ट: ग्राम काडोर के रहने वाले मृतका उर्मिला नाग के भाई रामनाथ नाग ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी बड़ी बहन उर्मिला नाग की शादी करीब 10 साल पहले रामकुमार नाग के साथ हुई।

शादी के बाद से ही रामकुमार नाग आए दिन पत्नी से शराब पीकर विवाद और मारपीट करता था।

चेहरा, पीठ और कमर पर किए वार: एसडीओपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने गुनाह कबूल कर लिया है। आरोपी ने बताया कि गुस्से में आकर अपनी पत्नी को हाथ-मुक्का और डंडे से सिर, चेहरा, पीठ और कमर में कई बार वार कर उसकी हत्या कर दी।

ट्रक की टक्कर से 15 गौवंश की मौत

20 से ज्यादा मवेशियों को रौंदा, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, 3 किलोमीटर तक लगा जाम

मीडिया ऑडीटर, तिल्दा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के तिल्दा में ट्रक ने 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से 15 गौवंश की मौत हो गई। मामला तिल्दा से लगे ग्राम पंचायत किरना का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की 12 बजे से 1 बजे के बीच अज्ञात ट्रक 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मारकर फरार हो गया। 15 गौवंश की मौके पर मौत हो गई, वहीं घायल गौवंश को इलाज के लिए पशु अस्पताल ले जाया गया है।

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग: ग्रामीणों ने देखा कि गौ वंश के शव सड़क पर पड़े हुए थे। उन्होंने विरोध करते हुए चक्का जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन से किरना से टंडवा तक लंबा जाम लग गया। ग्रामीणों ने स्पीड ब्रेकर बनाने और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

आए दिन हो रहे हादसे: एसडीएम प्रकाश टंडन, ग्रामीण एसपी कीर्तन राठौर समेत सभी आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार एक ट्रक पास में ही स्थित बजरंग पावर प्लांट से निकला था। उद्योग से घिरे होने के कारण रोजाना कोई न कोई सड़क दुर्घटना होती रहती है। जिस वजह से ग्रामीणों में आक्रोश है।

छात्रा को बंधक बनाकर रेप, हुई प्रेग्नेंट

शिक्षक 12 साल से कर रहा था दुष्कर्म, साथ देने पर वकील पत्नी भी अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही निप्र। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आदिवासी छात्रा से शिक्षक ने बंधक बनाकर रेप की वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद छात्रा गर्भवती हो गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया था। अब उसकी पत्नी संगीता सोनी को भी पकड़ा गया है।

आरोपी की पत्नी वकील है, उस पर पति का साथ देने का आरोप है। दरअसल, सहायक शिक्षक महेंद्र कुमार सोनी के खिलाफ नाबालिग छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। महेन्द्र सोनी ने उसे पहले पढ़ाया था, इसलिए वह उसे जानती थी। जब वह 12 साल की थी, तब महेन्द्र कुमार सोनी उसे अपनी बातों में फंसा कर अपने घर ले गया। जहां उसे धमकी देकर दुष्कर्म किया।

कई साल तक शारीरिक संबंध बनाए: पीड़िता ने बताया कि शिक्षक आए दिन ऐसी हरकत करने लगा। कई साल तक दुष्कर्म किया, छात्रा अब बालिग हो गई है और अभी वह गर्भवती भी है। छात्रा की रिपोर्ट पर गौरेला पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज आरोपी को 15 मई को गिरफ्तार कर लिया था।

अब पुलिस ने पत्नी को भी अरेस्ट: गौरेला एसडीओपी श्याम सिदार ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी शिक्षक महेन्द्र सोनी की पत्नी संगीता सोनी को बुलाया गया था। थाने में बयान दर्ज करने और पूछताछ के दौरान पति की मदद करने की बात सामने आई। पुलिस ने अपराध की पुष्टि होने के बाद पत्नी को भी अरेस्ट कर लिया है।

संगीता सोनी को बिलासपुर जेल में शिफ्ट किया गया: एसडीओपी ने बताया कि संगीता सोनी को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने महिला को जेल भेज दिया है। साथ ही उनकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। संगीता सोनी को फिलहाल बिलासपुर जेल में शिफ्ट किया गया है।

अधिवक्ता संघ में आक्रोश का माहौल: अधिवक्ता संगीता सोनी की गिरफ्तारी को लेकर स्थानीय अधिवक्ता संघ में आक्रोश का माहौल है। संघ ने गिरफ्तारी की निंदा की है। अधिवक्ता संघ साथी की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं।

हालांकि कुच् श्याम सिदार ने वकीलों के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए नियम के मुताबिक ही गिरफ्तारी और कार्रवाई करने की बात कही है।

पैसा डबल करने का लालच देकर 94 लाख की ठगी

बिलासपुर की महिलाओं को लगाया चूना, 2 लाख की बाइक खरीदी और सोने के जेवर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। बिलासपुर में मार्केटिंग कंपनी में इन्वेस्ट करने पर डबल इनकम का लालच देकर 94 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। शुरुआत में पीड़ितों को झांसा देने के लिए पैसे दिए गए, जिसके बाद मोटी रकम वसूली कर जमा पैसों को हड़प लिया गया।

मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से गहने, बाइक बरामद किया गया है। पूरा मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। धुरवाकारी निवासी रमिता भारद्वाज और पचपेडी की निर्मला रात्रे ने पुलिस को बताया कि धुर्वाकारी में रहने वाली राधिका भारद्वाज, नागेंद्र भारद्वाज और देवेंद्र भारद्वाज ने करीब साल भर पहले उनसे संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने मार्केटिंग में पैसा लगाने से दोगुना फायदा होने की बात कही।

निर्मला ने भी 30 लाख रुपए दिए: साथ ही पैसे वापसी की गारंटी भी दी। एक ही गांव के होने के कारण महिलाओं ने उनकी बातों पर भरोसा कर लिया, जिसके बाद रमिता ने उसे तीन लाख रुपए दिए। इसी तरह निर्मला ने भी 30 लाख रुपए दिए। पैसा जमा कराने के कुछ दिन बाद राधिका और उनके साथियों ने निर्मला को पांच लाख 14 हजार रुपए मुनाफा होने की बात कहते हुए ऑनलाइन वापस किया।

एक-दो लोगों को पैसे लौटाकर बनाए ग्राहक: पीड़ित महिलाओं ने बताया कि इस तरह से आरोपियों ने एक-दो लोगों को अलग-अलग किश्तों में पैसे लौटाकर डबल कमाई होने का झांसा दिया। इस बहाने उन्होंने अपनी ठगी का जाल बिछाया, ताकि और लोग उनसे जुड़ें। इसके बाद 20 से 25 लोगों को कंपनी में जोड़कर 94 लाख रुपए से अधिक वसूल लिए। जब पीड़ितों को पैसा नहीं मिला तो वो परेशान होकर पूछताछ करने लगे, जिस पर वो गोलमोल जवाब देने लगे।

20 से 25 लोगों से वसूले लाखों रुपए: इस दौरान निर्मला ने गांव के अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी। तब पता चला कि राधिका और उसके साथियों ने गांव की सुनीता भारद्वाज, सुलोचनी महिलांगे, उर्मिला भारद्वाज, दीपादेवी भारद्वाज, राजेश कुमार, लक्ष्मीन बाई समेत अन्य लोगों से भी लाखों रुपए लिए हैं, तब उनकी करतूतें उजागर हुई।

पैसे मांगने पर दी धमकी: पीड़ित महिला ने पुलिस को आरोपी उनके गांव के ही रहने वाले हैं। शुरुआत में ग्राहक फंसाने के लिए जमा पैसों में फायदा दिया गया, जिसके बाद कमीशन देना बंद कर दिया। महिलाओं ने जब उनसे संपर्क कर पैसे मांगे तो पहले मोहलत मांगी, जिसके बाद धोखाधड़ी उजागर हुआ तो उल्टा उन्हें धमकी देने लगे। साथ ही उन्हें कर्जा एक्ट के झूठे केस में फंसाने की बात कहने लगे।

एसपी से शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस: महिलाओं ने बताया कि उनकी शिकायत पर पुलिस ने पहले कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद परेशान होकर महिलाएं एसपी ऑफिस पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने एसपी रजनेश सिंह को पूरे मामले की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पचपेड़ी टीआई को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने पीड़ितों का केस दर्ज किया।

ठगी के पैसों से बनाया मकान, दो लाख की बाइक खरीदी: पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच की, जिसके बाद आरोपी महिला राधिका भारद्वाज से पूछताछ की, तब उसने अपराध स्वीकार करते हुए लोगों के पैसे से मकान बनाने, 2 लाख रुपए की बाइक के साथ ही गहने खरीदने और पैसों को खर्च करने की बात कही। उसने कई लोगों को पैसे लौटाने की बात भी कही। पुलिस ने महिला से बाइक और एक तोला सोना बरामद किया है।

नए कानून के तहत जब्ती का बनवाया वीडियो: एएसपी अर्चना झा ने बताया कि मामले में जांच के दौरान पता चला कि महिला ने सोने-चांदी के जेवर और अन्य सामान खरीद लिए हैं। महिला के कब्जे से दो लाख कीमत की बाइक और एक तोला सोना जब्त किया गया है। नए कानून के तहत जब्ती प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई है। साथ ही महिला और उसके परिजन के बैंक खातों की जांच कराई जा रही है।

हल्की बूंदाबांदी से फिर भी चढ़ रहा पारा

दंतेवाड़ा सबसे ज्यादा गर्म, सुकमा में 63 मिलीमीटर बारिश, आज भी बरस सकते हैं बदरा

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पिछले 4 दिनों से अच्छी बारिश नहीं हुई है। ऐसे में फिर से पारा चढ़ने लगा है। चौथे दिन हल्की बूंदाबांदी जरूर हुई, फिर भी उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हो रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को दंतेवाड़ा जिले में 33 डिग्री और नारायणपुर में 31.5 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो आज बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने एक दिन पहले दंतेवाड़ा में 32.6 डिग्री और अब 33 डिग्री, नारायणपुर में पहले 29.9 डिग्री अब 31.5 डिग्री, बीजापुर में एक दिन पहले 32.6 डिग्री अब 31.1 डिग्री, बस्तर में पहले 29.8 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया है। वहीं कांकेर में 52 मिमी, बस्तर में 9.7 और नारायणपुर में 15.2 मिमी, सुकमा में 63 डड बारिश दर्ज की गई है। जबकि बीजापुर और दंतेवाड़ा शुष्क रहा।

100 करोड़ के कर्ज में डूबा शक्कर कारखाना

सरगुजा/सूरजपुर एजेंसी। सरगुजा संभाग के मां महामाया शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने वाले किसानों को महीने बाद भी भुगतान नहीं हो सका है। शक्कर कारखाने में किसानों ने पेराई सीजन में 80 करोड़ रुपए का गन्ना बेचा है। बताया जा रहा है कि कारखाने पर 100 करोड़ से ज्यादा का कर्ज है। पेराई सीजन समाप्त होने के बाद किसानों को 28 करोड़ का भुगतान कारखाने ने नहीं किया है। कोटा सिस्टम होने के कारण कारखाना प्रबंधन स्टॉक में रखे शक्कर को नहीं बेच पा रहा है। पैसा नहीं मिलने से किसान परेशान हैं।

नीट-यूजी की परीक्षा को लेकर केंद्र सरकार ने कहा- सबूतों के अभाव में परीक्षा रद्द करना सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार और एनटीए ने नीट-यूजी परीक्षा को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग हलफनामे दाखिल किए। उन्होंने अभ्यर्थियों, कोचिंग संस्थानों और अभिभावकों की याचिकाओं पर जवाब दिया है कि नीट परीक्षा रद्द कर री-नीट कराना उन लाखों छात्रों के साथ नाइंसाफी होगी, जिन्होंने पूरी ईमानदारी से मेहनत कर परीक्षा दी थी। केंद्र के अनुसार पेपर सीमित इलाके में लीक होने की पुष्टि हो सकी है। 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने यह परीक्षा दी थी। सरकार के मुताबिक, इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के उल्लंघन के कोई सबूत नहीं हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि सबूतों के अभाव में समूची परीक्षा को रद्द करना सही नहीं होगा। हर परीक्षा में छात्रों के कंपीटिंग राइट्स होते हैं। एजेंसी को हर उस छात्र के हित का ख्याले रखना होता है, जिसने बिना किसी अनुचित साधन का इस्तेमाल किए पूरी ईमानदारी से परीक्षा दी है। ऐसे छात्रों को दोबारा परीक्षा देने के खतरे में नहीं डाला जा सकता। परीक्षा रद्द करना लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा होगा। मालूम हो, नीट संबंधी सभी याचिकाओं की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 8 जुलाई को होगी।

तेजस्वी ने बिहार की कानून व्यवस्था पर फिर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव इन दिनों भ्रष्टाचार और बढ़ते अपराध को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। एक बार फिर तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से पोस्ट कर लिखा, पेश है अवतारी प्रधानमंत्री एवं कुर्सीधारी मुख्यमंत्री की बिहारवासियों के लिए अर्जित विगत दिनों की मंगलकारी विघ्नहारी चमत्कारी उपकारी और गुणकारी उपलब्धियां।

कर्नाटक में दर्दनाक सड़क हादसा, तीन की मौत, 5 अन्य घायल, वहीं एक ही हालत गंभीर

बैगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक में शिवमोगा शहर के बाहरी इलाके में शनिवार सुबह दो कारों के बीच टक्कर हो जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 5 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया की हादसे में घायल हुए लोगों में से एक की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार, हादसा शिवमोगा में स्थित प्राणी उद्यान के पास हुई। मृतक चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे तालुका के डोड्डेरी गांव के थे। हादसे में जान गंवाने वाले लोग शिवमोगा के सिगंदुरू से लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक हादसा शिवमोगा चिड़ियाघर के पास हुआ है।

भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के समान माना गया है - मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के समान माना गया है। वनस्पति के साथ-साथ नदी, पहाड़ आदि को जीवंत मानना हमारी संवदेनशील सांस्कृतिक परम्परा का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान में सरकार ने भी प्रदेश में वृहद पौध-रोपण का संकल्प लिया है। इस क्रम में प्रदेश में पाँच करोड़ 50 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। इंदौर में 51 लाख, भोपाल और जबलपुर जिले में 12-12 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टॉर्मर ने बनाया 11 महिलाओं का क्रिकेट टीम जैसा मंत्रिमंडल

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने 14 साल बाद लेबर पार्टी को जीत दिलाने के बाद अब एक नई राजनीति की शुरुआत कर दी है। उन्होंने अपने कैबिनेट में 11 महिलाओं की क्रिकेट जैसी टीम खड़ी कर दी है। उनके मंत्रिमंडल में भारतीय मूल की लीसा नंदी समेत रिकॉर्ड 11 महिलाएं शामिल हैं। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन संसदीय क्षेत्र से भारी अंतर के साथ पुनर्निर्वाचित होने वालीं लीसा नंदी (44) शनिवार को ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री के रूप में अपना पदभार ग्रहण करेंगी। आम चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने वाले स्टॉर्मर के मंत्रिमंडल में शामिल 11 महिलाओं में रेचेल रीव्स (वित्तमंत्री), एंजेला रेनर (उप प्रधानमंत्री) भी शामिल हैं।

दोनों ने इतिहास रचा है क्योंकि रीव्स के तौर पर ब्रिटेन को पहली महिला वित्तमंत्री मिली हैं, वहीं रेनर उप प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होने वाली दूसरी महिला हैं। चुनावों में लेबर पार्टी की शानदारी जीत के बाद स्टॉर्मर ने शुक्रवार को तुरंत अपनी शीर्ष टीम की घोषणा करते हुए नयी सरकार के कामकाज की

शुरुआत कर दी थी। नंदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) का प्रमुख बनना एक 'अकल्पनीय विशेषाधिकार' है। लीसा (44) जनवरी 2020 में लेबर पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में अंतिम तीन दावेदारों में से एक थीं, जहां उनका सामना स्टॉर्मर और एक अन्य उम्मीदवार से था। लीसा तब से स्टॉर्मर के शैडो कैबिनेट (छाया मंत्रिमंडल) में काम कर रही थी।

कई भारतीयों को ब्रिटिश पीएम ने दी कैबिनेट में जगह: ब्रिटेन में सरकार की खामिया उजागर करने के लिए विपक्ष भी नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में अपना छाया मंत्रिमंडल गठित करता है। लीसा, ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार में संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभाल रही लूसी फ्रेजर की जगह लेंगी। ब्रिटेन के संसदीय चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। कलकत्ता में जन्मे अकादमिक दीपक नंदी और अंग्रेज महिला लुइस बायर्स की बेटी लीसा नंदी का जन्म मैनचेस्टर में हुआ। लीसा नंदी ने अतीत में लेबर पार्टी के सम्मेलनों के दौरान अपनी भारतीय विरासत के बारे में बात की है। उनके पिता ब्रिटेन में नस्ल संबंध (रेस रिलेशन) के क्षेत्र में अपने काम के लिए जाने जाते थे।

भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में निरंतर वृद्धि की संभावना, प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद और गहरे हुए संबंध

दिल्ली (एजेंसी)। भारत-उज्बेकिस्तान संबंध आपसी सम्मान और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों में गहराई से निहित साझा मूल्यों की नींव पर पनपे हैं। नई दिल्ली ने संबंधों को बढ़ाने और क्षेत्र के रणनीतिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित करने के लिए लगातार रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2015 में उज्बेकिस्तान यात्रा ने रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाया और आर्थिक संबंधों को बढ़ाया। पिछले 10 वर्षों में, दोनों देशों के बीच व्यापार में 2014 में 316.7 अमेरिकी डॉलर से 2023 में 689.7 अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि देखी गई है। उज्बेकिस्तान की सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, भारत ने 2024 के पहले चार महीनों में उज्बेकिस्तान को 254.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का सामान निर्यात किया। बढ़ा हुआ व्यापार दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय राजनीतिक जुड़ाव का परिणाम है जिसने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को काफी मजबूत किया है। फिर भी, पाकिस्तान द्वारा भारत को अपने क्षेत्र से होकर जाने की अनुमति न देने के कारण इस क्षेत्र में नई दिल्ली के सामरिक और आर्थिक हित सीमित रहे। भारत को निरंतर व्यापार वृद्धि और निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए कनेक्टिविटी परियोजनाओं में तेजी लाने की दिशा में काम करना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में दो जगहों पर सुरक्षाबलों-आतंकियों की मुठभेड़

कुलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में शनिवार (6 जुलाई) सुबह से आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। शाम होते-होते अब कुलगाम के ही फ्रिसल गांव के चिंगम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ज्वाइंट ऑपरेशन चला रही है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। सामने आया कि सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबल जब चिंगम इलाके में पहुंचे थे तब आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी शुरू की थी। अब दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है। वहीं, कुलगाम के मुदरघम में आतंकियों से मुठभेड़ में घायल सेना का जवान शहीद हुआ है। यहां भी सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस का ज्वाइंट ऑपरेशन जारी है। 2-3 आतंकियों के छिपे होने की बात कही गई है। बीते एक महीने (जून से 6 जुलाई तक) में सुरक्षाबल 6 आतंकियों का खात्मा कर चुके हैं। इनमें डोडा में 11-12 जून लगातार दो दिन दो हमले करने वाले आतंकी और उरी में घुसपैठ करने वाले आतंकियों का एनकाउंटर शामिल है। डोडा जिले के गंडोह इलाके में 26 जून को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया था। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ था।

आंध्र प्रदेश के सीएम ने सीतारमण से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अपनी बैठक में, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अपने राज्य के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र से समर्थन मांगा, जिसमें अमरावती के पुनर्निर्माण, पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए समर्थन और राज्य को अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति देना शामिल है। यह वित्तीय वर्ष ब्लूमबर्ग के अनुसार, नायडू ने 1 ट्रिलियन से अधिक की वित्तीय सहायता मांगी। आंध्र के सीएम भी इस वर्ष के राष्ट्रीय बजट से समर्थन का एक बड़ा हिस्सा भुगतान करने का अनुरोध किया। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रिलियन से अधिक के वित्तीय पैकेज में वित्त वर्ष 2015 में अतिरिक्त 0.5त्न उधार की अनुमति देकर राज्य सकल घरेलू उत्पाद के 3 त्न की राजकोषीय घाटे की सीमा को बढ़ाना शामिल है, जो लगभग 7,000 करोड़ के बराबर है। राज्य ने अमरावती के निर्माण के लिए 50,000 करोड़, पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए वित्त वर्ष 2025 में 12,000 करोड़, अतिदेय ऋण को चुकाने के लिए अगले पांच वर्षों में 15,000 करोड़ और संघीय

सरकार के तहत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10,000 करोड़ की मांग की। मेंट की 50 साल की लोन योजना, सूत्रों के मुताबिक, सीतारमण ने नायडू से वादा किया कि वह व्यापक राजकोषीय बाधाओं के भीतर आंध्र की मांगों पर गौर करेंगी। मीडिया को संबोधित करते हुए, नायडू ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा गठित किसी भी समन्वय समिति का नेतृत्व करने के लिए उत्तरदायी है।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर दो बसें खाई में पलटी, एक की मौत 15 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जनपद मुजफ्फरनगर के खतौली थाना क्षेत्र के दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे 58 पर भंगेला गांव के समीप शनिवार की सुबह एक ई-रिक्शा को बचाने के चक्कर में दो बसें अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई मे पलट गई। इस हादसे में एक बस के चालक की मौत हो गई तथा बस मे सवार 15 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया। सुबह-सुबह हुए इस सडक हादसे से घटना स्थल पर चीख पुकार मच गयी और आवाज सुनकर दर्जनो ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।

बजट 23 जुलाई को, सीतारमण लगातार 7वीं बार पेश करेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। वे ऐसा करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। इससे पहले मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह बजट नई सरकार का पहला पूर्ण बजट होगा। फरवरी में सरकार ने

अंतरिम बजट पेश किया था। इस साल अप्रैल, मई में लोकसभा चुनाव होने थे, लिहाजा सरकार ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। निर्मला ने अपने बजट को गरीब, महिला, युवा और अन्नदाता, यानी किसान पर फोकस किया था। निर्मला 23 जुलाई को बजट पेश करते ही लगातार सातवीं बार ऐसा करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी।

इससे पहले मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे। हालांकि, मोरारजी ने सबसे ज्यादा 10 बार बजट पेश किया। उनके बाद पी. चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी ने 9 बार, यशवंत राव चव्हाण, सीडी देशमुख और यशवंत सिन्हा ने 7 बार बजट पेश किया। मनमोहन सिंह और टी. कृष्णमचारी 6 बार बजट पेश कर चुके हैं।

भारत ने की समुद्री सुरक्षा सहयोग पर छठे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन सम्मेलन की मेजबानी की

मुंबई (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मुंबई में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर 6वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) सम्मेलन की शुरुआत की घोषणा की। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया की सह-अध्यक्षता में तथा ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) और नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन (एनएमएफ) के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना है। सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने गुरुवार को सम्मेलन का उद्घाटन किया, जिसमें ईएएस कार्य योजना को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। सरकारी अधिकारियों ने ईएएस भाग लेने वाले देशों के प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों के साथ समुद्री सुरक्षा बढ़ाने पर केंद्रित विषयगत सत्रों की एक श्रृंखला के लिए बैठक की।

अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण रोकी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा शनिवार (6 जुलाई) को रोक दी गई है। पवित्र गुफा तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल, दोनों रूट पर कल रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। यात्रियों को वापस उनके बेस कैंप भेजा जा रहा है। मौसम में सुधार के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। 29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 3,800 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में अब तक 1.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, अमरनाथ यात्रा शुरू होने के सातवें दिन यानी 5 जुलाई को ही बाबा बर्फानी अदृश्य हो गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। अब यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा के ही दर्शन होंगे। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण डोलिया देवी (फाटा) में रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड और ऋषिकेश से बद्रीनाथ जाने वाला नेशनल हाईवे 107 और 58 ब्लॉक हो गया है। सड़क पर जगह-जगह मलबा जमा है, जिसके कारण

आवागमन बाधित है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में 6-7 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। इस दौरान 64.5-115.5 द्वद्व से 115.5-204.4 द्वद्व तक बारिश हो सकती है। असम में बारिश, बाढ़, तूफान और लैंडस्लाइड में जान गंवाने वालों का आंकड़ा 62 पहुंच गया है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पत्नी सुनीता का चौंकाने वाला खुलासा, टीडीपी सांसद का लिया नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उन्हें (अरविंद केजरीवाल को) गहरी राजनीतिक साजिश का शिकार बनाया गया और ईडी ने एक गवाह के झूठे बयान के आधार पर आबकारी नीति मामले में उन्हें गिरफ्तार किया। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी (एमएसआर) के बयान के आधार पर गिरफ्तार किया था। तेदेपा सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक दल है। सुनीता केजरीवाल ने लोगों से दिल्ली के मुख्यमंत्री का समर्थन करने का अनुरोध किया।

एक देश, एक चुनाव समय की मांग है, बार-बार चुनाव होनें से विकास गतिविधियां प्रभावित होती हैं -सीएम माणिक साहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को कहा कि %एक देश, एक चुनाव समय की मांग है क्योंकि बार-बार होने वाले चुनाव के दौरान लागू होने वाली आचार संहिता से विकास गतिविधियां प्रभावित होती हैं। साहा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में पंचायत, स्वायत्त परिषद और नगर निकाय के चुनाव होने हैं। उन्होंने यहां एक सरकारी कार्यक्रम में कहा, चुनाव के कारण विकास कार्य कई महीनों तक ठप हो जाते हैं।

%एक राष्ट्र एक चुनाव समय की मांग है। देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति ने मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक राष्ट्र, एक चुनाव% पर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट में उन्होंने पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने तथा उसके बाद 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराने की सिफारिश की थी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरकारी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपना कार्य निर्धारित समय में पूरा करें।

1.27 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा स्वदेशी रक्षा उत्पादन, कंपनियों के शेयरों में हुई वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेक इन इंडिया पहल पर सरकार के जोर के साथ, रक्षा उत्पादन ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। रक्षा विनिर्माण में इस वृद्धि ने पिछले एक साल में प्रमुख रक्षा विनिर्माण पीएसयू में निवेशकों के लिए पर्याप्त रिटर्न भी दिया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के अनुसार, सबसे बड़े रक्षा विनिर्माण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के शेयरों में पिछले एक साल में 197 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने और भी अधिक प्रभावशाली लाभ का

अनुभव किया है, इसी अवधि में इसके शेयर में 913 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस अभूतपूर्व प्रदर्शन ने कोचीन शिपयार्ड को निवेशकों के बीच एक अत्यधिक पसंदीदा रक्षा स्टॉक के रूप में स्थापित किया है। इस बीच, बाजार पूंजीकरण के मामले में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने भी एक साल में 167 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ अपने शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान किया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले पांच वर्षों में रक्षा उत्पादन का मूल्य लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है, जो 2019-20 से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ रहा है। बाजार विशेषज्ञ रक्षा उत्पादन और निर्यात में उछाल का श्रेय रक्षा शेयरों के रिटर्न में प्रभावशाली वृद्धि को देते हैं।

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी विंबलडन से हुई बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज़ से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए।

भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में6-4 4-6 3-6 से हार गए। भांबरी और ओलिवेटी ने पहले दौर में कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक और अलेक्जेंडर शेवचेंको को हराया था। भारत की निगाहें अब रोहन बोपन्ना पर टिकी हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ जोड़ी बनाई है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त यह जोड़ी दूसरे दौर में जर्मनी के हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रैंटजेन से भिड़ेगी। ओलंपिक में जगह बना चुके सुमित नागल और एन श्रीराम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

पहले मैच में हार के बाद राधा यादव का बयान, कहा- हमने गेंदबाजी में कुछ गलतियां की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर राधा यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 12 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों ने कुछ गलतियां की जिसका टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।। तजमिन ब्रिट्स (81) और मारिजान कैप (57) ने भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी जिससे दक्षिण अफ्रीका चार विकेट पर 189 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम चार विकेट पर 177 रन ही बना पाई। राधा ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''यह जानना महत्वपूर्ण था कि इस विकेट पर किस लेंथ और किस गति से गेंदबाजी करनी है। हमने गेंदबाजी इकाई के रूप में कुछ गलतियां की। हमने उन्हें 10 से 15 रन अधिक बनाने दिए। हमें उन्हें यॉर्कर लेंथ पर गेंद करनी चाहिए थी।'' उन्होंने रविवार को होने वाले दूसरे मैच के बारे में कहा,''हमें अपनी रणनीति पर अमल करना होगा और जल्द ही विकेट के व्यवहार को समझना होगा। इससे हमारे लिए काम आसान हो जाएगा।''दक्षिण अफ्रीका को इससे पहले वनडे श्रृंखला और एकमात्र टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था और उसकी स्टार बल्लेबाज तज़मिन ब्रिट्स ने कहा कि उनकी टीम को इस जीत की सख्त जरूरत थी जिससे उनका अगले साल बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा। ब्रिट्स ने कहा,''हमें इस तरह की जीत और टीम में आत्मविश्वास बढ़ाने की सख्त जरूरत है। इस तरह के आत्मविश्वास से हम न केवल सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं बल्कि विश्व कप भी जीत सकते हैं। इस मैच में जीत दर्ज करना शानदार रहा लेकिन अगले दो मैच जीतना और बेहतर होगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सपना टूटा, पुर्तगाल को हराकर फ्रांस सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनाई और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना तोड़ दिया।

इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा। दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पाई। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। फ्रांस को यूरो 2021 के अंतिम 16 में और विश्व कप 2022 के फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यहां किस्मत उसके साथ थी। पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली।

वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की संगीत सेरेमनी में इन क्रिकेटर्स ने की शिरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं, लेकिन उनकी शादी से पहले की रस्में मार्च से ही चल रही हैं। अंबानी परिवार ने शुक्रवार को नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में इस कपल के लिए एक भव्य संगीत समारोह का आयोजन किया। जिसमें बॉलीवुड सेलिब्रिटी के साथ क्रिकेटर्स ने भी शिरकत की। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले सूर्युकमार यादव और हार्दिक पंड्या भी नजर आए। हालांकि, हार्दिक इस दौरान अपनी भाभी पंखुड़ी भाई क्रुणाल और सहयोगी खिलाड़ी ईशान किशन के साथ नजर आए। लेकिन उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक नजर नहीं आईं। ऐसे में फिर से उनके तलाक की खबरों ने तूल पकड़ लिया है।

प्रज्ञाननंदा और गुकेश टाईब्रेकर में हारे, कारुआना ने जीता खिताब

बुखारेस्ट (एजेंसी)। भारत के आर प्रज्ञाननंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञाननंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए। प्रज्ञाननंदा मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई। कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अमेरिका के इस खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में अपने तीनों प्रतिद्वंदियों गुकेश, प्रज्ञाननंदा और अलीरेजा को हराकर 68500 अमेरिकी डॉलर का पहला पुरस्कार जीता। इससे पहले प्रज्ञाननंदा टूर्नामेंट में अपनी पहली हार की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन अलीरेजा की एक गलती का फायदा उठाकर वह बाजी ड्रा करने में सफल रहे। गुकेश ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटकर टाइब्रेकर में खेलने का हक पाया था।

हार्दिक पाड्या विश्व कप नायक बनकर मुंबई लौटे

मुंबई (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या वापसी की कहानियों के इतिहास में सबसे शीर्ष पर रहने की हकदार है क्योंकि भारतीय क्रिकेट में शायद ही कोई ऐसा खिलाड़ी हो जो सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के कुछ महीनों में शीर्ष पर पहुंच गया हो। वनडे विश्व कप में टखने की चोट के बाद पंड्या की वापसी की यात्रा निराशा और हताशा से भरी हुई थी। लेकिन उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के खिलाफ अत्यधिक लचीलापन और दृढ़ संकल्प दिखाया। मुंबई इंडियंस की टीम के मुख्य खिलाड़ियों में शुमार रहे पंड्या कुछ साल के लिए गुजरात टाइटन्स में खेले। लेकिन मुंबई की टीम वापसी को कई लोगों ने स्वीकार नहीं किया। कुछ लोगों का मानना है कि आईपीएल के प्रशंसक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के प्रशंसकों से अलग होते हैं, लेकिन पंड्या को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। इन सबके बीच पत्नी नताशा स्टेनकोविच से अलगाव की अपुष्ट खबरें भी आईं। जब पंड्या ने अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस की टीम का नेतृत्व किया तो उनकी हूटिंग की गई। लेकिन जब पंड्या टी20 विश्व कप के लिए मैदान पर उतरे तो यह सब अतीत की बात हो गई। और चैम्पियन बनने के बाद जब टीम लौटी तो प्रशंसकों की भारी भीड़ ने वानखेड़े स्टेडियम और मरीन ड्राइव को खचाखच भर दिया। पंड्या ने यहां परेड से पहले ट्रॉफी के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट करते हुए लिखा,''जल्द ही मिलते हैं, वानखेड़े।'' स्टेडियम के अंदर हार्दिक...हार्दिक के नारे गूंज रहे थे।

भारत के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया मालामाल, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की टिकट ब्रिकी में बंपर मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का क्रेज अभी फैंस के सिर से उतरा भी नहीं था कि एक और सीरीज की तैयारी शुरू हो गई है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट टीम दुनिया के किसी भी कोने में क्यों ना खेले, वहां भारतीय फैंस पहुंच ही जाते हैं। इसी फैन फॉलोइंग का मौजूदा वक्त में किसी को फायदा हुआ है तो वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया है। हाल ही में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कन्फर्म किया है कि इस साल के आखिर में खेले जाने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की टिकटे धड़ल्ले से बिक रहे हैं। जिसका क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को बड़ा फायदा हुआ है। बोर्ड का कहना है कि पिछली बार की तुलना में इस बार भारत में उनकी टिकट 6 गुना ज्यादा बिकी है। 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ये बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है। अभी तक दोनों देशों के बीच ये सीरीज 4-4 मैचों की हुआ करती थी, लेकिन इस सीरीज की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए 33 सालों में पहली बार इस सीरीज में 5 टेस्ट खेले जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा गया कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कड़ी प्रतिद्वंद्विता के कारण भारत में फैंस द्वारा खरीदे गए टिकटों की संख्या में पिछले सीजन की तुलना में रिकॉर्ड तोड़ 6 गुना वृद्धि हुई है। वहीं बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारतीय खरीदारों के लिए टिकट बिक्री में 2018-19 की तुलना में दस गुना वृद्धि देखी गई है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड के इवेंट्स और ऑपरेशन के महाप्रबंधक जोएल मॉरिसन ने कहा है कि, हम ये देखकर रोमांचित हैं कि इतने सारे भारतीय फैंस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं।

राहुल द्रविड़ के बेरोजगार होने वाले मजाक पर गंभीर हुआ पाक पत्रकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के निवर्तमान कोच राहुल द्रविड़ ने बारबाडोस में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल जीतने के बाद मजाक-मजाक में कहा था कि अब वह बेरोजगार हो गए हैं और किसी अच्छे ऑफर की तलाश में हैं। जिसके बाद उनका ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। राहुल के द्वारा मजाक में कही इस बात को पाकिस्तान का एक पत्रकार गंभीर हो गया। पाकिस्तान पत्रकार ने एक्स पर अपने देश के क्रिकेट बोर्ड यानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को राहुल द्रविड़ को पाकिस्तानी टीम का कोच बनाने की सलाह दे डाली।

सूर्यकुमार यादव के जिस कैच ने बदला मैच, उसे देख प्रधानमंत्री भी हुए थे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बारबाडोस में भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप फाइनल में बाउंड्री के पास सूर्यकुमार यादव के कैच की चर्चा युगों-युगों तक की जाएगी। जबकि हार्दिक ने ऑफ के बाहर लो फुल टॉस गेंद फेंकी थी, डेविड मिलर, प्रोटियाज ने स्ट्राइक पर आखिरी बल्लेबाज को 6 गेंदों में से 16 रनों की जरूरत के साथ गेंद पर तगड़ा प्रहार किया। ऐसा लग रहा था कि मिलर ने उस पर इतना बड़ा प्रहार किया था कि वह सीमा पार कर जएगी और छह रन मिल जाएंगे। हालाँकि, ऐसा नहीं होना था। जैसा कि बाद में पता चला, अपने सर्वश्रेष्ठ एथलेटिकिज्म का प्रदर्शन करते हुए, सूर्यकुमार ने पहले गेंद को उछाला और फिर गेंद को हवा में फेंक दिया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि गति उन्हें वापस आने और कैच लेने से पहले रस्सियों के पार ले जा सकती है। क्षण भर में और

अत्यधिक दबाव में, सूर्यकुमार के कैच ने मैच का संतुलन भारत के पक्ष में झुका दिया और अंततः मेन इन ब्लू ने मैच जीत लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टीम इंडिया के इंटरैक्टिव सेशन के दौरान भी उस कैच का जिक्र हुआ। जबकि पीएम मोदी शुरू में आश्चर्यचकित लग रहे थे कि सूर्यकुमार ने वास्तव में ऐसे कैच पकड़ने का अभ्यास किया था, चैंपियन टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने यह कहकर चुटकी ली कि सूर्यकुमार ने फाइनल से पहले वास्तव में 150-160 ऐसे कैच पकड़े थे। द्रविड़ द्वारा अभ्यास के दौरान खिलाड़ी द्वारा लिए गए कैचों की संख्या का खुलासा करने के बाद सूर्यकुमार ने बातचीत के दौरान पीएम मोदी से कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत से और उससे पहले भी आईपीएल के बाद लौटते समय मैंने ऐसे कैच का अभ्यास किया था। लेकिन तब नहीं पता था कि फाइनल में भगवान मुझे ऐसा मौका देंगे। लेकिन मैंने पहले भी ऐसे कैच का अभ्यास किया था जिससे स्थिति आने पर मुझे शांत रहने में मदद मिली।

महाराष्ट्र सरकार ने भी टीम इंडिया के लिए किया प्राइज मनी का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारत आई थी और उसके बाद पीएम मोदी ने टीम से मुलाकात कर खिलाड़ियों को बधाई दी और फिर टीम इंडिया को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सम्मानित किया गया। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को मिलने के लिए बुलाया और उन्हें सम्मानित किया। सीएम शिंदे ने रोहित शर्मा को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की। रोहित शर्मा ने महाराष्ट्र विधान सभा में नेता पक्ष और विपक्ष को संबोधित किया और सीएम शिंदे का आभार व्यक्ति किया। रोहित शर्मा ने इस दौरान कहा कि सूर्यकुमार यादव ने बताया कि गेंद उसके हाथ में फंस गई थी। भगवान का शुक्र है कि ऐसा हुआ, वरना मैं उसे पकड़ लेता। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया की जीत के लिए 11 करोड़ रुपये इनाम के रूप में देने का ऐलान किया। देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में एकता नहीं है लेकिन कैप्टन रोहित शर्मा की वजह से आज हम सब टीम इंडिया के लिए एकजुट हैं।

भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारत आई थी और उसके बाद पीएम मोदी ने टीम से मुलाकात कर खिलाड़ियों को बधाई दी और फिर टीम इंडिया को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सम्मानित किया गया। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को महाराष्ट्र सरकार ने सम्मानित किया। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, यशस्वी जायसवाल को मिलने के लिए बुलाया और उन्हें सम्मानित किया। सीएम शिंदे ने रोहित शर्मा को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट की। रोहित शर्मा ने महाराष्ट्र विधान सभा में नेता पक्ष और विपक्ष को संबोधित किया और सीएम शिंदे का आभार व्यक्ति किया। रोहित शर्मा ने इस दौरान कहा कि सूर्यकुमार यादव ने बताया कि गेंद उसके हाथ में फंस गई थी। भगवान का शुक्र है कि ऐसा हुआ, वरना मैं उसे पकड़ लेता। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने टीम इंडिया की जीत के लिए 11 करोड़ रुपये इनाम के रूप में देने का ऐलान किया। देवेंद्र फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में एकता नहीं है लेकिन कैप्टन रोहित शर्मा की वजह से आज हम सब टीम इंडिया के लिए एकजुट हैं। वहीं इससे पहले टीम इंडिया को आईसीसी की तरफ से जीत की प्राइज मनी 20 करोड़ रुपये मिली है। जबकि बीसीसीआई की तरफ से भी टीम को 125 करोड़ की इनाम का ऐलान किया था। वहीं इसके बाद महाराष्ट्र ऐसी पहला राज्य है जिसने भारतीय टीम की जीत के बाद खिलाड़ियों को प्राइज देने के घोषणा की। इससे पहले भारतीय टीम ने फाइनल के रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप खिताब दूसरी बार जीता और वेस्टइंडीज व इंग्लैंड की बराबरी पर आ गया। भारत से पहले इन दोनों टीमों ने ही दो-दो बार टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

युगदृष्टा डॉ. मुखर्जी का देश रहेगा सदा आभारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह का किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युगदृष्टा थे। उन्होंने देश के सामने मौजूद समस्याओं का पूर्वानुमान लगाकर देश की एकता बनाए रखने और देशवासियों को जागरूक करने का अद्भुत कार्य किया। अंग्रेजों के बंग-भंग के षड़यंत्र का भंडाफोड़ करने और कश्मीर की समस्या के दूरगामी दु:खद परिणामों से जन-जन को अवगत कराने के लिए देश उनका सदैव आभारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास भवन में निर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. मुखर्जी की आज जयंती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी स्मृति में विकास भवन में मंत्रोच्चार के बीच पौध-रोपण किया तथा शिलापट्टिका का अनावरण कर सभागृह का लोकार्पण किया। उन्होंने सभागृह में निर्मित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र का भी अनावरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने की।

प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़-संकल्प ने देश को धारा-370 से दिलाई मुक्ति: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का 33 साल की आयु में वाइस चांसलर बनना उनकी प्रतिभा को दर्शाता है। उनके द्वारा कश्मीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के बाद भी देश में धारा-370 का कलंक जारी रहा एवं 40 हजार निरपराध लोग पीड़ा और हिंसा के शिकार हुए। अंतत: प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़-संकल्प ने देश को धारा-370 से मुक्ति प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विकास दर में निरंतर सुधार हो रहा है। ग्रामीण विकास गतिविधियों तथा पंचायतों की कार्य-प्रणाली से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति स्पष्ट परिलक्षित हो रही है। विकास भवन में बना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

देश को चितरंजन रेल कारखाना डॉ. मुखर्जी की देन-मंत्री पटेल: पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा कश्मीर की समस्या के संबंध में देश का ध्यान आकर्षित करने और धारा-370 हटाने की मांग से कई युवा देश सेवा के लिए आगे आए। उनके बलिदान के परिणाम स्वरूप ही धारा-370 हटाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के विकास भवन में निर्मित सभागृह का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया गया है। सभागृह में लगभग 450 व्यक्तियों की बैठक व्यवस्था है। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद वी.डी. शर्मा, आलोक शर्मा, जन-प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

रेलवे ने बंद किया उचेहरा का रेलवे फाटक

दीवार बनाने के लिए खोद दी सड़क, पुलिया का भी रास्ता बंद, क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश

मीडिया आडीटर, सतना निप्र। सतना-मैहर मार्ग पर उचेहरा स्थित रेलवे फाटक रेलवे ने बंद कर दिया। बिना अंडर पास बनाए ही रेलवे फाटक और उसका रास्ता बंद कर दिए जाने से परेशानी में पड़े स्थानीय लोगों का आक्रोश गहरा गया है।सड़क और रेल मार्ग पर स्थित उचेहरा का रेलवे फाटक शनिवार से किसी भी तरह के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है।

रेलवे ने सतना-उमरिया स्टेट हाईवे पर स्थित यह रेलवे फाटक स्थाई तौर पर बंद कर यहां ट्रैक के ऊपर सतना-मैहर के नए मार्ग पर बनाए गए नए ब्रिज को आरओबी का नाम दे दिया है जबकि इससे रेलवे का कोई लेना-देना नहीं रहा है। ये सड़क और ब्रिज एमपीआरडीसी ने बनाया है। रेलवे गेट बंद करने के साथ रेलवे ने सड़क पर गड्ढा भी खोद दिया है और यहां दीवार बनाने की प्रक्रिया भी शुरू करा दी है ताकि इसके आसपास भी कोई फाटक न सके। इतना ही नहीं कोई रेलवे लाइन पार कर भी कोई दूसरी तरफ न जा सके इसके लिए पुरानी बनी पुलिया के सामने भी दीवार बना दी गई है। रेलवे के इस कदम से स्थानीय लोगों में नाराजगी गहरा गई है। अब तक लोग अपने घर-खेतों तक रेलवे लाइन पैदल भी पार कर के पहुंच जाते थे। हालांकि, अब फाटक बंद हो जाने और पुलिया पर भी दीवार बन जाने से लोगों की मुश्किल बढ़ गई है।

स्थानीय रहवासी अखिलेन्द्र शर्मा ने बताया कि अब उचेहरा कस्बे में ही लाइन के इस पार रहने वालों को उस पार जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। स्कूली बच्चों - मरीजों को भी 6 किमी का चक्कर काटने के लिए मजबूर होना होगा। चंद कदमों की दूरी तय कर लाइन के उस पार सामने जाने के लिए भी स्टेट हाईवे पर दौड़ने वाले वाहनों की रफ्तार के कहर से निपटना-बचना होगा। रेलवे के कर्मचारी भी इस मुश्किल से अछूते नहीं रहेंगे। क्षेत्रीय लोगों की मांग है कि वैकल्पिक मार्ग अथवा अंडर पास का प्रबंध किये बिना रेलवे फाटक बंद न किया जाए।

हादसे में जीआरएस और पंचायत सचिव की मौत

लुढ़कते ट्रक की चपेट में आई बाइक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना-रीवा नेशनल हाईवे पर बेला के समीप देर रात हुए एक सड़क हादसे में ट्रक से दब कर बाइक सवार जीआरएस और पंचायत सचिव की मौत हो गई। उन्हें गंभीर हालत में संजय गांधी मेडिकल हॉस्पिटल रीवा भेजा गया था।

जानकारी के मुताबिक, सतना-रीवा मार्ग पर बेला पुलिस चौकी अंतर्गत गोविंदगढ़ मोड़ के पास देर रात लगभग डेढ़ बजे हुई एक सड़क दुर्घटना में राकेश सिंह उर्फ राकेश नट पिता बाबूलाल सिंह निवासी त्योंथर रीवा एवं उसके साथी रमेश वर्मा की मौत हो गई। दोनों मैहर से किसी वैवाहिक समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे।

हादसा गोविंदगढ़ मोड़ पर पास फ्लाई ओवर के समीप चौबे ढाबा के पास हुआ। मृतक राकेश जवा तहसील अंतर्गत ग्राम रोजगार सहायक था जबकि रमेश सेमरिया तहसील अंतर्गत सचिव पद पर कार्यरत था।

बताया जाता है कि ट्रक नंबर यूपी 54 टी 7663 फ्लाई ओवर पर जा रहा था लेकिन लोड अधिक होने के कारण वह चढ़ाई चढ़ते वक्त वह अचानक पीछे लुढ़कने लगा। ट्रक के पीछे ही बाइक पर सवार राकेश और उसका साथी रमेश थे। पीछे लुढ़कते ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही बेला पुलिस चौकी प्रभारी विजय त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और दोनों को गंभीर हालत में संजय गांधी मेडिकल हॉस्पिटल रीवा भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रक मऊ थाना कोपागंज उत्तर प्रदेश का है। पुलिस ने चालक-परिचालक को हिरासत में लेकर ट्रक कब्जे में ले लिया है।

ममेरे भाई ने नाबालिग से किया रेप

गर्भवती होने पर शादी से मुकरा, पीड़िता ने खाया जहरीला पदार्थ, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले के ताला थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग ने महीनों तक रिश्ते में ममेरी भाई पर रेप का आरोप लगाया है। जिसके बाद नाबालिग गर्भवती हो भी हो गई। आरोप है कि पीड़िता के साथ शादी का झांसा देकर आरोपी ने घटना को अंजाम दिया है। इससे परेशान होकर नाबालिग ने जहर खा लिया है। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने पीड़िता को रीवा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रहा है।ताला थाना प्रभारी केएन बंजारे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ महिला थाने में थ्स् दर्ज किया गया है।

ताला थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग के साथ रिश्ते में उसके ममेरे भाई ने ही महीनों दुष्कर्म किया। उसने नाबालिग को शादी का झांसा दिया और दरिंदगी करता रहा। इस बीच नाबालिग गर्भवती हो गई तो उसने शादी के लिए कहा लेकिन दुष्कर्मी मुकर गया। परेशान पीड़िता शिकायत लेकर ताला थाना पहुंची लेकिन वहां भी उसकी फरियाद नहीं सुनी गई।

आरोप है कि थाने के मुंशी ने नाबालिग और युवक दोनों को थाने में घंटों बैठाए रखा लेकिन शिकायत दर्ज नहीं की। इसके बाद निराश होकर थाने से निकली पीड़िता को जब कुछ समझ मे नहीं आया तो उसने आत्मघाती कदम उठाने का फैसला कर लिया।

मुकुंदपुर के बाजार में उसने जहरीला पदार्थ खा लिया और बेहोश हो कर गिर पड़ी। स्थानीय लोगों ने उसे देखा तो पुलिस को सूचना दी और फिर उसे मेडिकल कॉलेज रीवा भेजा गया। रीवा में उसका इलाज चल रहा है।

पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया कि बेटी के पेट में बच्चा है। इसकी जानकारी तब हुई जब उसके जहर खाने के बाद देखा गया। उसके साथ जिसने गलत हरकत की है। वो रिश्ते में पीड़िता का भाई ही लगता है।

ताला थाना प्रभारी केएन बंजारे ने बताया कि लड़की का पिता 2 जुलाई को लड़की को लेकर आया था। लड़की रीवा जिले के जवा थानाक्षेत्र की रहने वाली है। जबकि ननिहाल तालाथाना क्षेत्र की मुकुंदपुर चौकी में आता है। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि लड़की के मामा के लड़के ने इसके साथ गलत काम किया है। जिससे वह 7-8 महीने की गर्भवती है।

हालांकि 2 जुलाई सुबह ही लड़के पक्ष के आए थे लेकिन उन्होंने घटना को नकार दिया था। फिर मैंने पीड़ित पक्ष से कहा कि आप मुकुंदपुर चौकी चले जाइए या फिर महिला थाना रीवा में रिपोर्ट दर्ज करा दीजिए क्योंकि घटना का क्षेत्र दूसरा है। इसके बाद लड़की का पिता 3 जुलाई को वापस अपने गांव जवा चला गया। जबकि लड़की को वहीं छोड़ दिया।

अगले दिन फिर लड़की मुकुंदपुर चौकी पहुंची तो मुंशी ने पूछा कि आपके पिता कहां हैं। फिर थोड़ी देर टालमटोल करके उठकर चली आई। उसके बाद बाजार में आकर जहर खा लिया। हालांकि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ महिला थाना रीवा में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सड़क हादसे में रिटायर्ड फौजी की मौत, एक गंभीर

पुलिस लिखी स्कार्पियो ने हरदुआ मोड़ पर बाइक को मारी टक्कर

मीडिया आडीटर, सतना निप्र। मैहर-सतना मार्ग पर शहर के समीप सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो की टक्कर से बाइक सवार रिटायर्ड फौजी की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को स्कार्पियो सवार लोगों ने ही जिला अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक, सिटी कोतवाली अंतर्गत हरदुआ मोड़ के पास तेज रफ्तार स्कार्पियो नंबर एमपी 04 जेडसी 5050 की टक्कर लगने से बाइक सवार सुदीप सिंह उर्फ सोनू पिता गुलाब सिंह (45) निवासी तिघरा की मौत हो गई। इस हादसे में सुदीप का दोस्त हरेंद्र सिंह पिता तिलकधारी सिंह (45) निवासी तिघरा गंभीर रूप से घायल हुआ है।

बताया जाता है कि मृतक सुदीप 5 वर्ष पहले सेना से रिटायर हुआ है। इन-दिनों वह प्रिज्म सीमेंट कंपनी में सिक्योरिटी ऑफिसर थे। शनिवार सुबह दोस्त हरेंद्र के साथ हरदुआ स्थित खेत पर गए थे। दोपहर करीब ढाई बजे दोनों खेत से गांव लौट रहे थे, तभी मैहर की तरफसे आई स्कार्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। स्कार्पियो में पुलिस लिखा हुआ था, जिसमें चार लोग सवार थे।

स्कार्पियो सवारों ने ही दोनों को उठाया और जिला अस्पताल ले आए। सुदीप ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डॉक्टर्स ने सुदीप की मौत की जानकारी परिजनों को दी तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। वे उन्हें लेकर बिरला अस्पताल पहुंचे। वहां भी डॉक्टरों ने मृत होने की सूचना दी।

पोड़ी में चोरों का आतंक, 7 घरों को बनाया निशाना

नगदी-जेवर और कपड़ों समेत लाखों का माल पार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नागौद थाना अंतर्गत ग्राम पोड़ी में चोरों के आतंक ने लोगों को दहशतजदा कर रखा है। शुक्रवार रात पोड़ी पुलिस चौकी से कुछ ही फासले पर स्थित बस्ती के 7 घरों को चोरों ने अपना निशाना बनाया और लाखों का माल पार कर दिया। हालांकि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, नागौद थाना क्षेत्र की पोड़ी पुलिस चौकी अंतर्गत पोड़ी गांव में शुक्रवार रात चोरों ने एक के बाद एक सात घरों में घुसकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। चोरों ने भगवानदीन के घर पर सेंध मारी कर आलमारी में रखी नगदी और जेवर चोरी कर लिए। साथ ही तमाम घरेलू सामान भी उठा ले गए।

इसके अलावा हेमलता कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, रामकरण, देवेंद्र नागर, रामभगत नागर और शिवकुमार के घर मे भी चोर घुसे। रात के वक्त सन्नाटे और लोगों के नींद में होने का फायदा उठाते हुए चोरों ने घरों में दरवाजों और आलमारियों के ताले चटकाए और नगदी-जेवर, कपड़े तथा घरेलू जरूरत का तमाम सामान समेट ले गए। सुबह जब लोगों में नजारा देखा तो सब के होश फाख्ता हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पोड़ी चौकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

आशंका जताई जा रही है कि एक साथ एक ही रात में इतने घरों में चोरी की इन वारदातों में किसी गिरोह का हाथ हो सकता है। गौरतलब है कि जिस बस्ती में चोरी हुई, वहां से कुछ दूरी पर पुलिस चौकी स्थित है।

बावजूद इसके बेखौफ चोरों ने चोरी कर पुलिस को चुनौती दे दी।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में 60 वर्ष बाद मिलेगी 3 हजार रूपए पेंशन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है। इस योजना के लिए पात्र होंगे। योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रूपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगी।

भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी। श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को 3 हजार प्रतिमाह रूपए पेंशन के रूप में प्राप्त होगी।

योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है। योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं। नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रूपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

रविवार को इन इलाकों में गुल रहेगी बिजली

मेंटेनेंस के लिए कहीं 2 तो कहीं 5 घंटे की कटौती

मीडिया आडीटर, सतना निप्र। रविवार को छुट्टी के दिन लगभग पूरे सतना शहर में घोषित तौर पर बिजली कटौती की जाएगी। मेंटेनेंस के लिए अलग-अलग सब स्टेशनों से सम्बद्ध फीडर बंद रहेंगे और कहीं 2 घंटे तो कहीं 5 घंटे तक बिजली सप्लाई ठप रहेगी।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की तरफसे दी गई जानकारी के अनुसार 7 जुलाई रविवार को 33ध्11 ज्ञट उपकेंद्र प्रेमनगर में सुबह साढ़े 9 से साढ़े 11 बजे तक सुधार कार्य प्रस्तावित किया गया है, जिसके कारण कलेक्ट्रेट के साथ ही धवारी, प्रेम विहार, प्रेम नगर, कामता टोला, नजीराबाद,राजेन्द्र नगर,जवाहर नगर आदि क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

इसी तरह सुबह 6 बजे से 11 बजे तक ट्रांसपोर्ट नगर उपकेंद्र में भी मेंटेनेंस किए जाने के लिए बिजली आपूर्ति बंद की जाएगी।

इस अवधि में बस स्टैंड, रीवा रोड, कृपालपुर , नई बस्ती, बदखर, सिंधी कैम्प,चाणक्यपुरी कालोनी, औद्योगिक क्षेत्र, भरहुत नगर, फ्रैंड्स कालोनी, बांधवगढ़ कॉलोनी, शिव कॉलोनी, सिद्धार्थ नगर, घूरडांग आदि क्षेत्रों में सप्लाई प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा 33ध्11 ज्ञट उपकेंद्र मटेहना में भी सुधार कार्य किया जाना है। जिसके कारण रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक औद्योगिक क्षेत्र मटेहना में भी विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहर संभाग सतना के अधिकारियों ने शहरी क्षेत्र के समस्त उपभोक्ताओं से सहयोग की अपेक्षा की है।

मैहर जिले में विकासखंड स्तरीय कृषक संगोष्ठी संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। आत्मा परियोजना, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा विकासखण्ड स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन शनिवार को पटवारी भवन मैहर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा म.प्र. शासन एवं भारत सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ के बारे में जानकारी दी। मैहर विधायक ने कहा कि जिले में शीघ्र ही कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की जावेगी। उन्होंने कहा कि अब किसी भी आवारा पशुओ को रोड पर घूमने नहीं दिया जायेगा, उनके लिए अलग से ब्यवस्था की जा रही है।

प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.एस.नेगी एवं डॉ. अखिलेश जागरे द्वारा किसानो को विभिन्न खरीफ फसलो की समस्याओ पर विस्तार से जानकारी दी गई। किसानो में लगाने वाले विभिन्न रोगों एवं कीटो में लगने के निदान के बारे में बताया गया संगोष्ठी दौरान उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग एवं मत्स्योद्योग से उपस्थित अधिकारिओ द्वारा अपने विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओ के बारे में जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य, सभापति कृषि स्थाई समिति दीपक सिंह बघेल, विकास मिश्रा, देवदत्त सोनी, इन्द्रभान सिंह पटेल, कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक गण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।